राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार - 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते - 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा - 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन - 14

आज का मौसम
22.0⁰ अधिकतम तापमान
8.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 6, अंक 303, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

यूजीसी के नए नियमों पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलीप पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- अयोध्या में विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

विजिलेंस ने बिजली कर्मी को 11,000 की रिश्वत लेते दबोचा

संवाददाता, बिलासपुर (रामपुर)

- बिलासपुर में गोविंदपुरा बिजली घर में टेक्नीशियन है नितेश सिंह
- एक किसान से बिजली कनेक्शन के लिए ली थी घूस

आरोपी टेक्नीशियन नितेश सिंह।

अमृत विचार : गोविंदपुरा बिजलीघर में विजिलेंस टीम ने टेक्निशियन को 11,000 रुपये की रिश्वत लेते दबोच लिया। वह बिजली कनेक्शन की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत ले रहा था।

बिलासपुर क्षेत्र के सिकरौरा गांव निवासी सुखविंदर सिंह ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन (विजिलेंस) से शिकायत की थी कि उनके भतीजे के बिजली कनेक्शन के आवेदन को लंबित रखकर टेक्निशियन नितेश सिंह पैसों का दबाव बना रहा है। शिकायत की पुष्टि होने पर टीम ने गुरुवार दोपहर जाल बिछाया। टेक्निशियन को चकफेरी मोड़ स्थित मिठाई की दुकान पर बुलाया। जैसे ही उसे 11000 रुपये दिए गए वैसे ही टीम ने पकड़ लिया। नितेश सिंह मूल रूप से दिल्ली के स्वरूप नगर का रहने वाला है। वह वर्ष 2019 से गोविंदपुरा बिजलीघर में तैनात था। ट्रैप टीम के प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के बाद आरोपी को कोतवाली लाया गया और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अधिशासी अभियंता कर्मवीर सिंह ने बताया कि टेक्नीशियन नितेश सिंह को विभाग द्वारा निलंबित करने की कार्रवाई होगी।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

कैबिनेट बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी मंत्रिपरिषद ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

शिक्षकों और कार्मिकों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा। बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी।

इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

निर्माणाधीन जीसीटी कार्य पूरा कर रेलवे की आय बढ़ाएं

लॉजिस्टिक पार्टनर मीट में मौजूद डीआरएम विनीता श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- मंडल रेल कार्यालय के सभागार में लॉजिस्टिक पार्टनर मीट आयोजित

अमृत विचार : मंडल रेल कार्यालय के मनन सभागार में गुरुवार को लॉजिस्टिक पार्टनर मीट आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने सभी निर्माणाधीन जीसीटी से अपना कार्य शीघ्र पूरा कर रेलवे की आय बढ़ाने पर जोर दिया। कहा कि रेलवे प्रशासन इस दिशा में पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

मंडल रेल प्रबंधक की मौजूदगी में नए जीसीटी पॉलिसी -2026 पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में फ्रेट कस्टमर फ्रेंडली परिवर्तन के बारे में बताया गया। मंडल में कार्यरत जीसीटी व निर्माणाधीन जीसीटी से समस्या पूछने के अलावा सुझाव भी लिए गए। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) एसपी तिवारी, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओपी) पारितोष गौतम, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) ॠचा शर्मा व रेल मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा यारा फर्टिलाइजर्स इंडिया लिमिटेड, जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड सहित अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

किसान 45 हजार एकड़ भूमि बचाने को 11 साल से बना रहे कच्चा बांध, करीब एक करोड़ रुपये खर्च कर चुके किसान

बहगुल नदी पर बनाया जाएगा 100 करोड़ रुपये से पक्का बांध

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : किसानों द्वारा इस बार भी गांव खजुरिया व बरेली जिले की सीमा पर बह रही बहगुल नदी पर 11वीं बार कच्चा बांध बनाया है। इस बांध से दोनों जिलों में लगभग 45 हजार एकड़ भूमि का रकबा लाभान्वित होगा। पिछले 11 साल से किसान करीब एक करोड़ रुपये खर्च कर बांध बनवा रहे हैं। इस संबंध में बरेली सिंचाई विभाग का पक्के बांध का निर्माण प्रस्ताव भी स्वीकृत हो गया है, इसे बनाने में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बिलासपुर के गांव खमरिया में बहगुल नदी पर कच्चे बांध के निर्माण के लगी जेसीबी।

किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष व पूर्व विधायक जयदीप सिंह बरार ने बताया कि इस स्थान पर अंग्रेजों द्वारा पक्का बांध बनाया गया था, जोकि बाढ़ के कारण 1926 में बह गया था। 1927 से लेकर वर्ष 1980 तक उत्तर प्रदेश सरकार कच्चा बांध बनाती आ रही थी। 1990 से सरकार ने कच्चा बांध बनाना बंद कर दिया। इसके पश्चात 1981 से 1989 तक जिला योजना समिति के माध्यम से कच्चा बांध बनाया गया। उन्होंने बताया कि 1990 से 2015 तक बांध का निर्माण नहीं किया गया था। ग्रामीणों ने अधिकारियों समेत सरकार में बैठे मंत्रियों से पक्का बांध बनाने को लेकर कई बार ज्ञापन देने तथा प्रदर्शन करने के बावजूद बांध का निर्माण नहीं हो सका। बाद में किसानों के अनुरोध पर पूर्व विधायक ने दोनों जिलों के ग्रामीण और किसानों के साथ मिलकर 2016 में कच्चे बांध का निर्माण किया था। जब से अब तक दोनों जिलों के ग्रामीण के सहयोग से कच्चे बांध का बांधने का काम करते चले आ रहे हैं। इस बार किसानों द्वारा 11वीं बार बांध बनाया जा रहा है। 14 जनवरी से बांध बनाने का कार्य जारी है, जोकि पूर्ण होने के कगार पर है। इस बार भी बांध बनाने का 10 से 12 लाख रुपये का खर्चा आने का अनुमान है। कहा कि मौजूदा समय में बनाए गए बांध के जलाशय में पानी एकत्र हो गया है। इससे किसान फसलों की सिंचाई कर सकेंगे।

काफी समय से इस नदी पर पक्के बांध का निर्माण करने की मांग करते चले आ रहे थे। जिस पर शासन और अधिकारियों ने संज्ञान लिया। जिसके चलते इस वित्तीय वर्ष में 100 करोड़ रुपये की लागत से पक्के बांध का निर्माण कराया जाएगा। **– जयदीप सिंह बरार**, पूर्व विधायक

प्रत्येक वर्ष रामपुर और बरेली दोनों जिलों के किसानों के सहयोग से बहगुल नदी पर कच्चा बांध बनाया जाता हैं। बांध में एकत्रित पानी से दोनों जिलों के किसान अपनी फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। – बलवीर सिंह गंगवार, क्षेत्रीय किसान

बांध की वजह से क्षेत्र का वाटर लेवल अच्छा रहता हैं। साथ ही किसानों को फसलों की सिंचाई करने में इसका लाभ मिलेगा। यह बरेली और रामपुर दोनों जिलों के ग्रामीणों की मेहनत का नतीजा है। – वेदप्रकाश कश्यप, क्षेत्रीय किसान

पक्के बांध से खेती की राह होगी आसान

पूर्व विधायक जयदीप बरार ने बताया कि किसान पिछले काफी समय से बहगुल नदी पर कच्चा बांध बनाने की मांग करते चले आ रहे थे। किसानों की इस मांग पर बरेली सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पक्के बांध का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। जहां से स्वीकृति मिलने के बाद इस नदी पर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से पक्के बांध का निर्माण किया जाएगा। जिससे कि किसानों को आ रही, समस्या का समाधान हो जाएगा। पूर्व विधायक ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद इसी वित्तीय वर्ष में बांध के निर्माण कार्य शुरू होने का अनुमान है।

बहगुल नदी पर पक्का बांध का निर्माण होने के बाद किसानों को इसका लाभ मिलेगा। जिसकी किसान पिछले काफी समय से मांग करते चले आ रहे थे। यह सब किसानों की मेहनत का नतीजा है। **– अजीज हसन खां**, क्षेत्रीय किसान

न्यूज ब्रीफ

20 हजार मतदाताओं ने दिया नोटिस का जवाब

मुरादाबाद, अमृत विचार : एसआईआर के दूसरे चरण में अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी किया । जिसमें जिले में 1,96,000 अनमैप्ड मतदाताओं में से 1,43,000 को नोटिस भेजा गया है। इसके जवाब के साथ अपने मतदाता होने के समर्थन में दस्तावेज भी लगाना अनिवार्य है। हालांकि अभी तक जिले की सभी छह विधानसभाओं मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद देहात, कांठ, ठाकुरद्वारा, कुंदरकी और बिलारी विधानसभा को मिलाकर एक चौथाई मतदाताओं ने भी नोटिस का जवाब नहीं दिया है। वहीं जिला प्रशासन नये मतदाता बनाने के लिए भी प्रक्रिया में तेजी लाने में जुटा है। नये मतदाताओं को फार्म 6 के साथ घोषणा पत्र को इसे भरकर देना है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम ने बताया कि नये मतदाता बनने की प्रक्रिया चल रही है।

कुत्तों की नसबंदी की धीमी रफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार : महानगर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के बीच नसबंदी कार्यक्रम की रफ्तार धीमी होने से लोगों में चिंता बढ़ रही है। कई इलाकों में कुत्तों के झुंड से डर का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभियान नियमित न होने के कारण समस्या नियंत्रित नहीं हो पा रही है। पशु प्रेमी संगठनों का भी मानना है कि योजनाबद्ध और निरंतर नसबंदी से ही स्थायी समाधान संभव है। लोगों का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों को कार्यक्रम की रफ्तार बढ़ाने के साथ नियमित निगरानी की जरूरत है।

शहर में जलभराव का हो स्थायी समाधान

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर के कई इलाकों में मामूली बारिश में ही जलभराव की समस्या सामने आ जाती है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। नालियों की सफाई न होना और जल निकासी की कमजोर व्यवस्था इसके प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्थायी इंतजाम हर साल किए जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। लोगों ने प्रशासन से बेहतर ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने की मांग की है।

सीयूजी पर कॉल न उठाने पर मंडलायुक्त गुस्साए

मंडलायुक्त ने की विकास कार्यों की मंडलीय समीक्षा, अधिकारियों के समय से न पहुंचने की शिकायतों पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- नगरीय क्षेत्रों में फुटपाथ पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की समस्या पर कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने अपने कार्यालय सभागार में गुरुवार को विकास कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि आमजन को विभागीय सेवाओं और योजनाओं से जोड़ने और शासन के निर्देशों के गंभीरतापूर्वक क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। अधिकारियों द्वारा सीयूजी नंबर पर कॉल को रिसीव न करने और अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालयों में समय से न पहुंचने की शिकायतों पर उन्होंने नाराजगी जताई।

मंडल में उपलब्ध 108 और 102 एंबुलेंस की सेवाओं की समीक्षा में रिस्पॉन्स टाइमिंग मानक के अनुरूप रखने व एंबुलेंस में संसाधनों की क्रियाशीलता भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बिजली विभाग के अधिकारियों से कहा कि जर्जर खंभे ठीक कराएं। मंडल के जिलों में 128 ग्राम प्रधानों के विरुद्ध चल रही जांच प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश उन्होंने दिया। कीटनाशी रसायनों की गुणवत्ता नियंत्रण की रिपोर्ट में बिजनौर और अमरोहा में कार्रवाई की खराब प्रगति पर इसके कारणों की जानकारी ली। अमरोहा में आजीविका दीदी मार्ट की शुरुआत के उद्देश्यों की जानकारी जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने दी। नगरीय क्षेत्रों में फुटपाथ पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की समस्या पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। बिजनौर में संविदा पर तैनात महिला चिकित्साधिकारी को सीएमओ बिजनौर द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से मातृत्व अवकाश प्रदान करने के मामले में मंडलायुक्त ने सीएमओ बिजनौर को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने और आयुष्मान कार्डों में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए सभी सीएमओ को गंभीरता बरतने का निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी मुरादाबाद अनुज सिंह, जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी, जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर, जिलाधिकारी संभल राजेंद्र पैसिया, जिलाधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता वत्स के अलावा सभी जिलों के सीडीओ व विभागों के मंडलीय अधिकारी रहे।

विकास कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक करते मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व मौजूद अन्य अधिकारी। • अमृत विचार

भीख से सीख पहल की सराहना

जिलाधिकारी संभल द्वारा चलाई जा रही भीख से सीख पहल के अंतर्गत भीख मांगने वाले 635 परिवारों में 250 बच्चों को विद्यालय से जोड़ने और उन परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं आर्थिक मजबूती की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को मंडलायुक्त ने सराहा। कहा कि भीख मांगने वाले परिवारों को मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में अन्य जिलों में भी ठोस प्रयास होना चाहिए।

पेट्रोल पंपों पर सुविधा का सत्यापन हो

मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने सभी जिलों में पेट्रोल पंपों पर महिला शौचालयों को बंद रखने की शिकायतों पर नाराजगी जताई। कहा कि 1 सप्ताह के भीतर सत्यापन कराकर अधिकारी रिपोर्ट भेजें। अवैध तरीके से संचालित अस्पतालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने और संचालक के विरुद्ध एफआईआर के साथ ही किराए पर अपना मकान देने वाले व्यक्ति को भी कार्रवाई के दायरे में लाने के लिए कहा।

पोर्टल पर प्राप्त शिकायतें जल्द निस्तारित हों

आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में तेजी के साथ ही फीडबैक प्राप्त कर गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश मंडलायुक्त ने अधिकारियों को दिया। फार्मर रजिस्ट्री में संभल और मुरादाबाद की धीमी प्रगति पर 1 सप्ताह में सभी जिलों की प्रगति में सुधार कराने की हिदायत दी। उन्होंने वर्षा जल संचयन के लिए संचालित खेत तालाब योजना में मुरादाबाद और रामपुर जिले की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई।

110 बीघा भूमि पर प्लाटिंग को प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्त किया

मुरादाबाद, अमृत विचार: मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को अवैध प्लाटिंग, अनाधिकृत विकास और बिना मानचित्र स्वीकृति के कराए जा रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने 110 बीघा भूमि पर किए गए अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कराया।

प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने कांठ बाईपास से आगे कैलसा रोड ग्राम गिदौड़ा अमरोहा में मो. इकबाल द्वारा लगभग 50 बीघा भूमि में अवैध रूप से की गई प्लाटिंग को ध्वस्त कराया। इसके अलावा इसी रोड पर इकबाल सैफी के द्वारा लगभग 60 बीघा भूमि में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग को ध्वस्त किया। प्राधिकरण की ओर से चेतावनी दी गई कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किसी प्रकार के प्लाटिंग या निर्माण कार्य पूरी तरह अवैध और दंडनीय है। भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस ने पांच शराब माफिया दबोचे, तीन फरार

संवाददाता, डिलारी

अमृत विचार : रामगंगा नदी किनारे बसे खादर क्षेत्र में अवैध शराब बनाने का धंधा काफी दिनों से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर थाना डिलारी पुलिस ने घेराबंदी कर पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कारों में रखी भारी मात्रा में कच्ची शराब, उपकरण बरामद किए है। तीन माफिया अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। शराब माफिया यूपी समेत कई सूबों में कच्ची शराब व ब्रांडेड सप्लाई करने का काम कर रहे थे।

गुरुवार की रात इंटीरियर सड़क किनारे गांव बढेरा, चटकाली के पास हिस्ट्रीशीटर शराब माफिया थाना पावसा जनपद संभल के संजय राघव, थाना कटघर मुरादाबाद के मोहल्ला कृष्णा कॉलोनी निवासी नरेश कुमार, गांव बल्दाना थाना गजरौला जनपद अमरोहा निवासी सचिन, अमरोहा निवासी चंद्रशेखर, थाना कटघर मुरादाबाद निवासी कैलाश मारुति व स्विफ्ट में भरकर कच्ची व ब्रांडेड शराब को बेचने के लिए उत्तराखंड ले जा रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर गांव बढेरा चटकाली पहुंचकर सड़क की घेराबंदी कर भारी मात्रा में शराब इस्तेमाल होने वाली दो कारे पांच आरोपितों को दबोच लिया। थानाध्यक्ष डिलारी कृष्ण कुमार भंगेला ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव करीब होने पर हरियाणा राज्य से सस्ते दामों में खरीद कर यूपी व उत्तराखंड में महंगे दामों में बेचने के लिए ले जा रहे थे।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। • अमृत विचार

- मारुति व स्विफ्ट में भरकर शराब बेचने उत्तराखंड ले जा रहे थे आरोपी

राज्य स्तरीय गैंग बड़े पैमाने पर शराब तस्करी करने में संलिप्त : थाना अध्यक्ष ने बताया कि पकड़ा गया राज्य स्तरीय गैंग बड़े पैमाने पर शराब तस्करी करने में संलिप्त है। इनके खिलाफ कई सूबो के विभिन्न थानों में संगीन धाराओं में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गैंग के मास्टरमाइंड ऊंची कोठी बहादुरपुर हरियाणा निवासी अशोक, गाजियाबाद निवासी अनिल, उत्तराखंड के थाना काशीपुर परमानंदपुर निवासी नासिर नकली शराब बनाने में स्पिरिट की व्यवस्था करता है जो फरार हैं।

चकमा देने को लगा लेते थे फर्जी नंबर प्लेट

पुलिस को चकमा देने के लिए स्विफ्ट पर फर्जी नंबर प्लेट बदल बदल कर लगा लेते थे। आरोपियों के पास से दो प्लास्टिक के ड्रम, दो 50 लीटर क्षमता वाले लगभग 100 बल्कलीटर स्पिरिट भरा हुआ, 750 एम एल की वजीर ब्रांड चंडीगढ़ मार्का 348 शराब से भरी बोतलें, 750 ए म एलकी शराब से भरी नैना ब्रांड चंडीगढ़ 120 बोतल 10 क्वार्टर, रॉयल ब्रांड की 30 बोतल, 940 ओल्ड मॉक, 289 रॉयल स्टैग, खाली कांच की शीशियां नकली ढक्कन, अल्कोहल, 15 बोरे प्लास्टिक, 1026 नकली क्यूआर कोड बरामद की है।

ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटकाकर दौड़ा दी जीप

संवाददाता, बिलासपुर

- नैनीताल हाईवे की वीडियो वायरल, आरोपी का चालान

अमृत विचार : ई-रिक्शा और कार में टक्कर लगने के बाद कार चालक ने ई-रिक्शा चालक के मारपीट की। बाद में कार चालक ने उसे जीप के बोनट पर लटकाकर घुमाने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी जीप चालक को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई थी। बाद में उसका चालान कर दिया।

यह घटना बीते बुधवार को पटेल चौक के पास की है। वीडियो में जानकारी के अनुसार, हाईवे पर पहले जीप के चालक ने सामने से आ रहे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया और उसका चालक घायल हो गया। बाद में जीप चालक ने बिना परवाह किए जीप को आगे बढ़ाते हुए ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटका लिया। जब लोगों ने शोर मचाया, तो जीप चालक ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटकाए-लटकाए गोल चक्कर में घुमाने लगा। वहां मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर जीप चालक रुका, तब जाकर घायल ई-रिक्शा चालक की जान बची। इस घटना को देख रहे कुछ लोगों ने उसे अपने मोबाइलों में कैद कर लिया और वायरल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जीप चालक को साथ ले गई। गुरुवार को चौकी इंचार्ज योगेंद्र सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी जीप चालक नगर के मोहल्ला संत कॉलोनी निवासी मनप्रीत सिंह है। उसके खिलाफ शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई की गई और एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया। उधर, राष्ट्रीय गरीब कल्याण संघ के अध्यक्ष प्रेम नरेश वाल्मीकि ने बताया कि घायल ई-रिक्शा चालक उनकी यूनियन से संपर्क करता है, तो संगठन उसकी हरसंभव मदद की जाएगी।

जीप पर ई-रिक्शा चालक को घुमाता चालक।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार से होम डेकोर उत्पादों की मांग बढ़ेगी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सहमति से मुरादाबाद के हैंडीक्राफ्ट उद्यमियों में उत्साह है। मुरादाबाद का हैंडीक्राफ्ट उद्योग जो पहले से ही यूरोप में अपनी पहचान रखता है अब और अधिक गति से आगे बढ़ सकेगा। इससे मुरादाबाद के मेटलवेयर, होम डेकोर आइटम्स की बिक्री में वृद्धि की संभावना है।

मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (एमएचईए) के अध्यक्ष नवेद उर रहमान ने बताया कि ईयू में टैरिफ कम होने से ब्रास, एल्युमिनियम, आयरन और होम डेकोर उत्पादों की मांग बढ़ेगी। इससे न केवल निर्यात में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों, यूनिट मालिकों और एमएसएमई सेक्टर को भी सीधा लाभ मिलेगा। यूरोप भारत का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है। एफटीए के बाद ईयू से भारत का व्यापार दोगुना होने का अनुमान है।

निर्यात बड़ी उपलब्धि

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने नई दिल्ली में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (भारत-ईयू एफटीए) पर हस्ताक्षर का स्वागत कर इसे ऐतिहासिक कदम बताया। ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारतीय नेतृत्व की भूमिका और निर्यात प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हैं। भारत-ईयू एफटीए पर हस्ताक्षर भारत के निर्यात इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए अवसर है। इसके लागू होने के बाद और सुविधाजनक व्यवस्था के साथ, भारतीय उत्पाद अब ईयू के बाजारों में मौजूदगी को और मजबूत कर सकेंगे।

राज्य स्तरीय कुश्ती | विभिन्न भार वर्ग के रोमांचक मुकाबलों में पहलवानों ने लगाए दांव पेंच

दूसरे दिन मुरादाबाद के पहलवानों का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- गोरखपुर के अजय पाल ने देवीपाटन के गगन यादव को 8-4 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

अमृत विचार : सुभाषचंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को भी विभिन्न भार वर्ग में रोमांचक मुकाबले खेले गए। जिसमें पहलवानों ने प्रतिद्वंदी को चित करने के लिए दांव आजमाए। दूसरे दिन प्रतियोगिता का आरंभ उप्र कुश्ती महासंघ के महासचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय ने किया।

57 किग्रा भार वर्ग में मुरादाबाद के ऋषभ दिवाकर ने मेरठ छात्रावास के अर्श खान को 4-3 से हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। इस तरह अर्श दूसरे व मिर्जापुर के कमलेश यादव और सहारनपुर के अभिषेक कुमार संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। 65 किग्रा भार वर्ग में मेरठ के देवनागर को चित कर मुरादाबाद के रविंद्र पहले स्थान पर रहे। गोरखपुर के अजय पाल ने देवीपाटन के गगन यादव को 8-4 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 61 किग्रा वर्ग में गोरखपुर के सनी भारद्वाज ने मुरादाबाद के अभिषेक को 9-8 अंकों से पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। अभिषेक दूसरे जबकि आजमगढ़ के अमर यादव व वाराणसी के आशुतोष पाल तीसरे स्थान पर रहे। 74 किग्रा भार वर्ग में वाराणसी के मुलायम यादव ने कानपुर के शिवधर यादव को 8-4 अंकों से हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। शिवधर यादव द्वितीय और आगरा के रजनीश व प्रयागराज के पंकज पाल तृतीय स्थान पर रहे।

जोर आजमाते पहलवान।

79 किग्रा भार वर्ग में मेरठ छात्रावास के आशीष यादव ने कानपुर के जाहिद हाशमी को 10-4 अंकों से पराजित कर पहला स्थान प्राप्त किया। मुरादाबाद के शवी खान दूसरे और वाराणसी के विशाल यादव तीसरे स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में राम राजन यादव, रवि कुमार, आदेश कुमार, सुनील यादव, विशाल यादव, ऋषि श्वेत सिंह, अभिषेक उपाध्याय, प्रदीप कुमार, रामानंद एवं दीपक सिंह शामिल रहे।

शेष मुकाबले देर रात तक जारी रहे। इस मौके पर जिला क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह, उप्र ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक, उप्र कुश्ती संघ के संयुक्त सचिव राजकुमार मिश्रा, जिला कुश्ती संघ के सचिव पवन कुमार सिसोदिया, दिनेश कुमार सिंह सिसोदिया, उपक्रीड़ाधिकारी अयोध्या विवेक कुमार प्रजापति, प्रवीण ठेकेदार, गोरख यादव, अंकित अग्रवाल, प्रदीप सक्सेना आदि मौजूद रहे।

महक-परी को लेकर अब युवाओं में हो रहा टकराव

कार्यालय संवाददाता,संभल

- सहयोगी ने जान का खतरा बताकर पुलिस से की शिकायत

अमृत विचार : संभल की यूट्यूबर महक-परी को लेकर फिर विवाद सामने आया है। महक-परी और उनके सहयोगी युवक द्वारा बनाए गए वीडियो के बाद युवाओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। युवक ने पुलिस को तहरीर दे अपनी जान को खतरा बताया है।

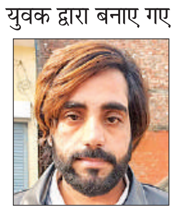
सलमान।

बताया जा रहा है कि महक-परी ने सहयोगी सलमान उर्फ सल्लू कुरैशी के साथ वीडियो बनाया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा कि संभल में कुरैशियों में सबसे ज्यादा पैसा सलमान के पास है। इसके बाद मोहल्ला नाला निवासी सलमान नाम के अन्य युवक ने वीडियो जारी किया, जिसमें अपशब्दों का प्रयोग कर महक-परी और उनके सहयोगी पर कटाक्ष किया। इसके बाद सलमान उर्फ सल्लू ने समीर, सलमान और सुहैब निवासी गांव मंडी किशनदास सराय पर गाली-गलौज और छुरे से हत्या करने की धमकी जैसे आरोप लगाए। मामले में संभल कोतवाली इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह और थाना हयातनगर प्रभारी उमेश सोलंकी ने शिकायत मिलने से इंकार किया है।

यूट्यूबर महक-परी।

न्यूज ब्रीफ

महिला व पुत्रों से मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना छजलैट के ग्राम शेरपुर एत्मादपुर निवासी महिला मिथलेश देवी पत्नी स्वर्गीय दिग्विजय सिंह ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 21 जनवरी की शाम को करीब 4 :00 बजे उनका पुत्र ऋषभ ग्राम तेलीपुरा जा रहा था। रास्ते में गांव का रोहित, मोहित पुत्रगण गैंग सिंह व सुरेंद्र पुत्र लोकेंद्र ने ऋषभ को रास्ते में रोक लिया और गंदी-गंदी गालियां देकर मारने पीटने को तैयार हो गए। तभी उनका दूसरा पुत्र केशव पहुंच गया और उसने बीच बचाव करा दिया। इसके ऋषभ और केशव दोनों भाई अपने घर को आ रहे थे। तभी तीनों आरोपियों ने रास्ते में रोककर उन्हें मारना पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर जब उनकी मां पहुंची तो उसे भी मारा पीटा। इसके बाद आरोपियों ने इकट्ठे होकर महिला के घर पर लाठी डंडे लेकर चढ़ाई की। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी है।

पोर्टल पर लंबित मामलों से नाराजगी

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर में सार्वजनिक शिकायत पोर्टल पर दर्ज कई मामले लंबे समय से लंबित पड़े हुए हैं। बिजली, पानी, सफाई और सड़क से जुड़ी शिकायतों का समय पर निस्तारण न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। शिकायतकर्ता बार-बार पोर्टल और विभागों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन व्यवस्था का उद्देश्य त्वरित समाधान था, लेकिन निगरानी के अभाव में यह प्रभावी नहीं हो पा रही है। लोगों ने शिकायत निस्तारण को समयबद्ध और जवाबदेह बनाने की मांग की है।

राहवीर योजना की जानकारी दी

मुरादाबाद, अमृत विचार : गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज के रेंजर्स विभाग और एनएसएस इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 सड़क सुरक्षा अभियान व जीरो फैटेलिटी समाधान के समापन पर राहवीर योजना और कैशलेस योजना के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई। प्राचार्या प्रो. चारु मेहरोत्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं आज गंभीर समस्या बन गई है। राहवीर योजना उन संवेदनशील नागरिकों को सम्मानित करने की पहल है जो दुर्घटना के समय सहायता करने के लिए आगे आते हैं। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन रेंजर्स प्रभारी प्रो. एकता भाटिया, डॉ. प्रेमलता कश्यप, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सविता अग्रवाल ने किया। इस मौके पर मुख्य अनुशासिका प्रो. किरन साहू, प्रो. मीनाक्षी शर्मा, प्रो. सुधा सिंह, प्रो. वंदना पांडे, प्रो. सुदेश आदि मौजूद रहे।

एसएस इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय करियर मेला में अतिथियों ने किया स्टॉलों का निरीक्षण

करियर वास्तव में एक चुनौती, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ें

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : एसएस इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय करियर मेला आयोजित किया गया। गुरुवार को इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वादश मंडल मनोज कुमार द्विवेदी, सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नेश चंद्र, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पाण्डेय, सह जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा, वित्त एवं लेखा अधिकारी राकेश चंद्र मौर्य, प्रधानाचार्य रवि कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मेले में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि करियर वास्तव में एक चुनौती है उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए। सहायक निदेशक सेवायोजन ने कहा कि हम बीते हुए कल हैं आप आने वाले कल हैं इसके लिए आपको तैयार रहना होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को इंटर से पहले यह तय कर लेना चाहिए कि उसे कौन सा करियर चुनना है। सह जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने करिअर के चुनाव में अपनी रुचि, कौशल और योग्यताओं को ध्यान में रखना चाहिए। वित्त एवं लेखा अधिकारी के अलावा अन्य लोगों ने विस्तार से बात रखी। मुकेश त्रिवेदी ने करियर काउंसलिंग की जानकारी दी। अधिवक्ता आवरण अग्रवाल ने वकालत के बारे में बच्चों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान शारिक, पूनम गुप्ता, लक्ष्मी, डॉ. एएन चौबे, मूर्तिकार शिवकुमार ने जानकारी साझा की। मनोवैज्ञानिक मंगलम व रीना तोमर ने बच्चों को बोर्ड परीक्षा के तनाव से बचने की जानकारी दी।

मंच संचालन जनपदीय नोडल प्रभारी करिअर बबीता मेहरोत्रा ने की। सीआईआई टेस्ट व तमन्ना टेस्ट की जानकारी दी।

सटॉलों पर रूपेंद्र, चंद्रकेश, शुभ्रा वार्ष्णेय, यामिनी सैनी, हरे कृष्णा, राजवीर, दीपिका, निधि, आकाश, पुलकित, कामना, अंजू आदि ने सहयोग किया। आयोजन जिला समन्वयक डॉ. सुनीता चौधरी ने किया। विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, नोडल शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

स्टॉल का निरीक्षण करते जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडे व अन्य।

जनपदीय कैरियर गाइडेंस मेले में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

करियर कार्ड, पंख डायरी व बुक स्टॉल लगे

मेले में पॉलिटेक्निक, आईटीआई, कौशल विकास, विवेकानंद हॉस्पिटल, आईएफटीएम यूनिवर्सिटी, फैशन डिजाइनिंग ब्यूटीशियन, सेवायोजन कार्यालय के अलावा माध्यमिक शिक्षा विभाग से करियर कार्ड स्टॉल, पंख डायरी स्टॉल व बुक स्टॉल लगाए गए। कौशल्या कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, आर्य कन्या की छात्राओं ने स्वागत गीत व आकांक्षा विद्यापीठ की छात्राओं ने करियर पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की।

सुबह ठंडी हवा से बढ़ी गलन, दोपहर को धूप से राहत

मुरादाबाद, अमृत विचार : बीते दिनों हुई बारिश के बाद मौसम में आए बदलाव ने गुरुवार की सुबह लोगों को ठंड का एहसास कराया।

सुबह के समय हल्के बादल और ठंडी हवा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के चलते नमी बनी हुई थी, जिससे सर्दी का अहसास और बढ़ गया। लोग अलाव और हीटर का सहारा लेते नजर आए। सुबह की ठिठुरन के कारण बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही। हालांकि, जैसे ही दिन चढ़ा और दोपहर करीब 12 धूप निकलने से ठंड का असर कम हुआ और लोगों को सुकून मिला। सड़कों पर रौनक बढ़ गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में सुबह और शाम के समय ठंड बनी रह सकती है।

यूजीसी के खिलाफ सड़क पर उतरे सवर्ण

अंबेडकर पार्क में एकत्र होने के बाद जुलूस निकाल कर बिल और केंद्र सरकार के विरोध में की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : यूजीसी के नये बिल में सामान्य वर्ग के लोगों की अनदेखी करने के विरोध में बिल को काला कानून बताकर उसे तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने जमकर विरोध किया। गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने नारेबाजी की। जुलूस निकालकर कर कलेक्ट्रेट पहुंचे। बिल में लाए गए नियमों को वापस लेने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन के अधिकारी को सौंपकर वापस लेने की मांग की। हालांकि गुरुवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, ब्राह्मण सभा, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, कायस्थ महासभा ट्रस्ट, वैश्य महासभा, सवर्ण आर्मी, मुरादाबाद ब्राह्मण समाज वेलफेयर सोसायटी, सर्व ब्राह्मण महासभा व अन्य सवर्ण समाज के संगठनों के पदाधिकारियों ने सहभागिता कर यूजीसी के नये कानून को सवर्ण समाज के छात्रों के लिए घातक और हिन्दू समाज को बांटने वाला कानून बताकर सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। इस दौरान अरविंद सक्सेना, अतुल सक्सेना, दिलीप भटनागर, मनोज भटनागर, शिवोत्तर सक्सेना, प्रेम प्रकाश सक्सेना, धीरज सक्सेना, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश मंत्री अशोक कठेरिया, नीरज सोलंकी, ओमवीर सिंह, बंटी राणा, युवा अध्यक्ष अनिल, ब्लॉक अध्यक्ष राजीव चौहान, अरुण सिंह, शशांक चौहान, समीक्षा अग्रवाल, अरविंद सक्सेना, प्रेम प्रकाश सक्सेना, धीरज सक्सेना, मोना सक्सेना, शालिनी सक्सेना, विजय सक्सेना, प्रदीप सक्सेना, विजय सक्सेना, गोपाल द्विवेदी, शुभम शर्मा, हिमांशु शर्मा, नवीन शर्मा, धवल दीक्षित, रजत शर्मा, बॉबी सक्सेना, राजीव शुक्ला, नरेंद्र शर्मा, रमेश उपाध्याय, चंदन भट्ट, अनुज शर्मा, सौरभ द्विवेदी, देवेश वशिष्ठ, सुरेन्द्र शर्मा, रोहित भारद्वाज, राकेश शर्मा सहित सवर्ण समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अंबेडकर पार्क से कलेक्ट्रेट तक जुलूस निकालकर प्रदर्शन करते सवर्ण समाज के लोग। ● अमृत विचार

- **अधिकारों के लिए भरी हुंकार प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के अधिकारी को सौंपा ज्ञापन**

सुप्रीम कोर्ट से रोक का किया स्वागत

कायस्थ महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप सक्सेना ने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी के नया कानून विभेदकारी और संविधान के मूल भावना के खिलाफ है। इसमें जिसमे सामान्य वर्ग के छात्रों के ख़िलाफ़ भेदभाव की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है और उनकी कोई सुनवाई भी नहीं होगी जिसका हम विरोध करते हैं। मुरादाबाद ब्राह्मण समाज वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज व सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री सचिन गौड़ ने यूजीसी के काले कानून का विरोध कर सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी कानून पर रोक लगाने के आदेश का स्वागत किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि यूजीसी की यह नियमावली समानता के नाम पर समाज को बांटने का कार्य कर रही है। यह अनुच्छेद 14 और 15 में प्रदत्त समान अधिकारों की भावना के विपरीत है।

10 फरवरी को एक से 19 वर्ष के बच्चों को दी जाएगी कीड़े की दवा

कृमि मुक्ति दिवस को लेकर प्रशिक्षण में मौजूद डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **सीएमओ कार्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर हुआ जिला स्तरीय प्रशिक्षण**

अमृत विचारः राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी के दिन आयोजन के लिए गुरुवार को सीएमओ कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। अध्यक्षता नोडल अधिकारी राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने की।

प्रशिक्षण के दौरान एविडेंस एक्शन के जिला समन्वयक नाजिम खान ने बताया कि शासन के निर्देश अनुसार एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों व किशोरों को 10 फरवरी को जिले के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों, मदरसों, राजकीय किशोर गृहों और आंगनबाड़ी में कृमि संक्रमण से बचाव के लिए निशुल्क दवा खिलाई जाएगी। डीईआईसी मैनेजर सगीर अहमद ने बताया कि जो बच्चे निर्धारित तिथि पर दवा सेवन से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मॉप-अप दिवस के अवसर पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी। शहरी स्वास्थ्य समन्वयक प्रमोद कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए समन्वय का कार्य किया जाएगा। इस मौके पर डीसीपीएम चंद्र शेखर सिंह, बीएसए कार्यालय से राजकुमार आदि मौजूद रहे।

11 राजकीय माध्यमिक स्कूलों में 50 से कम छात्र

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **शिक्षकों और संसाधनों की कमी से घट रहा नामांकन, नई भर्ती से स्थिति सुधरने की उम्मीद**

अमृत विचार : जिले में माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था की हकीकत चिंताजनक है। जिले के 11 ऐसे राजकीय माध्यमिक विद्यालय हैं, जहां छात्र-छात्राओं की संख्या 50 से भी कम दर्ज है। नामांकन में लगातार आ रही गिरावट के पीछे शिक्षकों की कमी के साथ-साथ लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, खेल मैदान और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख कारण माना जा रहा है। यही नहीं, कुछ अर्द्धशासकीय माध्यमिक कॉलेजों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है।

जिले में कुल 464 माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें 50 राजकीय, 54 अर्द्धशासकीय और 360 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। संख्या के लिहाज से विद्यालयों की स्थिति भले ही बेहतर दिखती हो, लेकिन गुणवत्ता और सुविधाओं के स्तर पर कई राजकीय विद्यालय पिछड़ते नजर आ रहे हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों और अभिभावकों की पसंद पर पड़ रहा है, जो बेहतर सुविधाओं और शिक्षकों की उपलब्धता के चलते निजी व वित्तविहीन विद्यालयों की ओर रुख कर रहे हैं। जिन 11 विद्यालयों में 50 से कम विद्यार्थियों का पंजीकरण है, उनमें भगतपुर टांडा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज ताहमदान, बिलारी के राजकीय हाईस्कूल सिहाली माला और नमेनी गद्दी, डिलारी के राजकीय हाईस्कूल गखरपुर व राजकीय इंटर कॉलेज फरीदपुर, कुंदरकी का राजकीय हाईस्कूल महमूदपुर माफी, मुरादाबाद के राजकीय इंटर कॉलेज शिहाली व उमरी, मूढ़ापांडे का राजकीय हाईस्कूल शहरिया, ठाकुरद्वारा का राजकीय इंटर कॉलेज रामुवाला गणेश और राजकीय हाईस्कूल अब्दुल्ला शामिल हैं।

> शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा हुई है। उम्मीद है कि जल्द ही शिक्षकों की कमी दूर होगी। - **देवेंद्र कुमार पांडेय**, डीआईओएस

कई विषयों के शिक्षक वर्षों से तैनात नहीं

इन विद्यालयों में कई विषयों के शिक्षक वर्षों से तैनात नहीं हैं, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल मैदान का अभाव है।

एआई का पहरा, संदिग्ध हरकत पर बजेगा अलार्म

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : 18 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए इस बार एआई तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। 112 परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापकों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को एआई फीचर से लैस किया जाएगा। ये कैमरे परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी की हरकत संदिग्ध पाई जाती है तो सिस्टम तुरंत अलर्ट जारी करेगा और कंट्रोल रूम में ऑटोमेटिक अलार्म बज उठेगा। अलार्म बजते ही सूचना एक साथ यूपी बोर्ड के मुख्य कंट्रोल रूम, क्षेत्रीय कार्यालय और जिला स्तर के कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी। इस व्यवस्था से किसी भी गड़बड़ी पर बिना समय गंवाए संबंधित अधिकारियों को जानकारी मिल सकेगी। केंद्रों के कैमरे आईडी और पासवर्ड से सीधे बोर्ड के कंट्रोल रूम से जोड़े जाएंगे।

अलर्ट मोड पर रहेगी तकनीकी टीम

तीन स्तरों पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इन कंट्रोल रूम से सीसीटीवी फीड, नेटवर्क की स्थिति और तकनीकी डाटा की मॉनिटरिंग की जाएगी। तकनीकी टीम अलर्ट मोड में रहेगी। डीआईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि एआई फीचर से परीक्षाएं नकलविहीन, और शांतिपूर्ण संपन्न कराई जा सकेंगी।

पूर्व सैनिकों के पुनर्मिलन में वीरता को नमन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के तत्वाधान में गुरुवार को दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि यह आयोजन केवल एक पुनर्मिलन नहीं, बल्कि उन वीर सैनिकों के पराक्रम, त्याग और समर्पण को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिले के गौरवशाली सैनिक इतिहास के बारे में कहा कि यहां के पूर्व सैनिक और वीर नारियां समाज के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और त्याग का संदेश देते हैं। सैनिकों के चलते देश सुरक्षित है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता ने कहा कि सैनिक अपनी जान जोखिम में डालकर सीमाओं पर देश और नागरिकों की सुरक्षा करते हैं।

कार्यक्रम में सम्मानित छात्र छात्राएं व मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

- **विधायक रामवीर सिंह ने कहा सैनिकों की वीरता से देश सुरक्षित**

आभार प्रदेश सरकार की घोषणा का बेसिक शिक्षक व कर्मचारियों ने किया स्वागत

कैशलेस सुविधा से गंभीर बीमारियों के इलाज में होगी आसानी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों, अनुदेशकों को कैशलेस इलाज की सुविधा से खुशी**

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों, अनुदेशकों व उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को भी अब राज्य सरकार के कर्मचारियों की तरह कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। सरकार के आदेश पर बेसिक के कर्मचारियों ने खुशी जताई है। कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा से गंभीर बीमारियों के इलाज में आसानी होगी। आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। इस पर सभी ने खुशी जताकर सरकार के निर्णय का स्वागत किया।

कैबिनेट के निर्णय के बाद बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, कार्मिकों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कार्यरत वार्डन, पूर्ण कालिक, अंशकालिक शिक्षक, शिक्षिका व प्रधानमंत्री पोषण योजना के अन्तर्गत रसोइयों व उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का आदेश दिया गया है। इस सुविधा का क्रियान्वयन सरकारी चिकित्सालयों के अलावा निजी चिकित्सालयों में भी आईपीडी (अंतररोगी विभाग) में कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इन चिकित्सालयों में इलाज की अनुमन्य दरें वहीं होंगी जो प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना व राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभिकरण द्वारा निर्धारित होंगी।

प्रदेश सरकार द्वारा कैशलेस चिकित्सा की जो सुविधा प्रदान की गई है उसका हम स्वागत करते हैं। संघ काफी समय से इसकी मांग कर रहा था। जो अब पूरी हुई है। इससे काफी सहूलियत होगी। **- राकेश कौशिक**, महानगर अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ

शिक्षकों की बरसों पुरानी कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग पूरा करने का निर्णय स्वागत योग्य है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों और उनके परिवार के आश्रितों को बड़ी राहत मिलेगी। **- राहुल शर्मा**, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, महानगर इकाई

शिक्षक, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों तथा रसोइयों एवं उनके आश्रितों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू किया जाना सराहनीय पहल है। यह निर्णय शिक्षकों एवं कार्मिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देने वाली सरकार की सकारात्मक सोच को दर्शाता है। **- तृप्ति शर्मा**, सहायक अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय, मोहम्मदपुर बस्तौर, विकास क्षेत्र कुंदरकी

प्रदेश सरकार के द्वारा बेसिक शिक्षा के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों रसोइयों एव कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा स्वागत योग्य है। यह भविष्य के लिए अच्छी पहल है। यह लंबे समय से प्रतीक्षित था। सरकार के प्रति कृतज्ञता जताते हैं। **- खिलेंद्र सिंह**, राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक, पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय चंगेरी विकास खंड डिलारी

शिक्षक संघ ने जताया आभार

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के पदाधिकारियों ने आभार जताया। वरिष्ठ शिक्षक नेता डॉ. सुनीत गिरी ने कहा कि इस सुविधा से शिक्षकों को गंभीर बीमारियों के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी और वे बिना चिंता के बेहतर उपचार करा सकेंगे। जिला अध्यक्ष राजीव कुमार पाठक ने कहा कि ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे शिक्षक वर्ग में सकारात्मक संदेश गया है। वहीं, जिला मंत्री पुष्पेश मिश्रा ने मांग की कि दायरे में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व निजी व्यवस्था पर कार्यरत शिक्षकों को भी शामिल किया जाना चाहिए। इस मौके पर आफताब आलम, अनिल कुमार, अभिषेक राय, मयंक त्यागी आदि मौजूद रहे।

जमीन दिलाने का झांसा देकर ठगी रिपोर्ट दर्ज

कांठ , अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से 510000 जमीन दिलाने का झांसा देकर ठग लिए और जमीन भी नहीं दिलवाई है। पुलिस ने ठगी के आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया।

छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम महेंद्र सिकंदरपुर निवासी यशपाल सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह ने थाना छजलैट पुलिस को तहरीर देकर बताया कि करीब 6 महीने पहले जयप्रकाश पुत्र छोटेलाल निवासी बाजपुर, थाना बाजपुर जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड ने जमीन दिलाने को कहकर 5 लाख 10000 लिए थे जिसमें जयप्रकाश को 200000 नकद और 3 लाख 10000 बैंक खाते में डाले थे परंतु कई बार कहने के बाद भी रुपए वापस नहीं दिए और ना ही जमीन दिलवाई। आरोपी की पत्नी पूजा ने झूंठा मुकदमा लिखवा कर फंसाने की धमकी भी दी है। पुलिस विवेचना कर रही है।

नए बजट से नौकरीपेशा वर्ग को राहत की उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : वित मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में एक फरवरी को बजट प्रस्तुत करेंगी। केंद्रीय बजट में नौकरपेशा वर्ग की उम्मीदें फिर बढ़ गई हैं। बढ़ती महंगाई, आयकर का दबाव और सीमित आय के कारण कर्मचारी वर्ग को राहत की उम्मीद है।

शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी और विकास विभाग में कार्यरत कर्मचारियों का मानना है कि यदि बजट में कर छूट बढ़े और मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए तो आम आदमी को बड़ी राहत मिल सकती है। महंगाई तेजी से बढ़ रही है, जबकि बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। बजट में आयकर की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि मध्यम वर्ग को राहत मिले। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में संसाधनों और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

सरकार शिक्षकों को आर्थिक और पेशेवर रूप से मजबूत करेगी तो इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा। नौकरीपेशा वर्ग की बड़ी समस्या बचत की कमी है। टैक्स, ईएमआई और घरेलू खर्च के बाद हाथ में या तो कुछ बचता नहीं है या फिर न के बराबर। पेंशन से जुड़े प्रावधानों को और बेहतर बनाया जाए। **- इंद्रजीत शर्मा**, दौलतबाग

नौकरीपेशा वर्ग महंगाई से सबसे अधिक प्रभावित है। पेट्रोल डीजल, गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण होना चाहिए। उम्मीद है सरकार टैक्स स्लैब में बदलाव कर राहत देगी। यदि बजट आम कर्मचारी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया तो इससे आर्थिक संतुलन बेहतर होगा। **- सोनल**, रामगंगा विहार

एकता, सद्भाव और भाईचारे पर जोर

ठाकुरद्वारा के गांव रामपुर घोगर में हिंदू सम्मेलन में साधु-संतों ने भरी हुंकार

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन साधु-संत व अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या में लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव रामपुर घोगर में गुरुवार को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन उत्साह के बीच संपन्न हुआ। सम्मेलन में आसपास के गांवों समेत दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक माहौल बना रहा और संतों के प्रवचनों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

● युवाओं से नशा व कुरीतियों से दूर रहकर संस्कारित जीवन अपनाने का आह्वान

सम्मेलन में श्री धाम वृंदावन से पधारे सतदेवा नंद जी महाराज, हरिहर धाम के पीठाधीश्वर प्रतिष्ठित गिरी जी महाराज, श्री बालाजी धाम के पीठाधीश्वर अनिल नागर जी महाराज, भागवत कथा वाचक नरेंद्रानंद सरस्वती जी तथा शिव मंदिर शिवनगर के पीठाधीश्वर बच्चा बाबा बर्फानी ने अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया। संतों ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और महान संस्कृति है, जिसे सहेजकर रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।

उन्होंने समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे पर जोर देते हुए युवाओं से नशा व कुरीतियों से दूर रहकर संस्कारित जीवन अपनाने का आह्वान किया। संतों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को सही दिशा मिलती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भूपेंद्र सिंह ने की। आयोजन समिति ने सभी संतों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सम्मेलन में मौजूद श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन का आनंद लिया और अंत में प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों और समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साप्ताहिक बंदी बेअसर, बाजार खुला

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: साप्ताहिक बंदी के दौरान गुरुवार को नगर के सभी बाजार खुले रहे। इसे लेकर श्रमिकों और व्यापारियों में तीव्र आक्रोश रहा। पिछले कई सप्ताह से नगर में साप्ताहिक बंदी मजाक बनकर रह गई है। पूर्व में लेबर ऑफिसर की सख्ती के चलते नगर के शत-प्रतिशत बाजार बंद रहते थे। श्रम प्रवर्तन अधिकारी समय-समय पर छापे मारकर व्यापारियों का चालान करते रहते थे। पिछले कई माह से श्रम प्रवर्तन अधिकारी के तहसील मुख्यालय न पहुंचने से व्यापारियों के हौसले काफी बुलंद हैं।

गुरुवार को भी नगर के गंज बाजार, बुध बाजार, कदीर तिराहा, तिकोनिया बस स्टैंड, बाबूरामपाल सिंह द्वार, कमालपुरी चौराहा, शगुन चौराहा, अस्पताल रोड, मोहल्ला ताली, बड़ा बाजार, मीना बाजार आदि खुले रहे। इससे दुकानों पर काम कर रहे मजदूरों और जो नियमानुसार प्रतिष्ठान खोलने वाले व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। व्यापारियों का कहना कि साप्ताहिक बंदी के दिन पूरे सप्ताह का घरेलू काम या दुकान के लिए सामान की खरीदारी कर लेते है। चार दिन विद्युत बिल की बचत हो जाती थी लेकिन लापरवाही के चलते सभी बाजार खुल रहे है।

न्यूज डायरी

सीएसके टीम ने जीता एसएन क्रिकेट टूर्नामेंट

भगतपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के डूंगरपुर चौराहे पर इतवार बाजार के मैदान में आयोजित एसएन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में सीएसके क्रिकेट टीम विजयी रही। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पिछले कई दिनों से चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में कई टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें फाइनल मैच सीएसके क्रिकेट टीम एवं आरसीबी क्रिकेट टीम के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 112 रन का लक्ष्य रखा जिसमें आरसीबी क्रिकेट टीम मात्र 103 रन ही बना पाई। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद रेहान रहे। एसएन पब्लिक जूनियर हाई स्कूल के प्रबंधक कारी नबील नसीरी, अध्यापक गुलाम जिलानी, कारी गुलाम रब्बानी, शौकीन अहमद आदि ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

50 महादानी करेंगे रक्तदान

मुरादाबाद, अमृत विचार : गुरुवार को दिल्ली रोड स्थित एक होटल में रक्तदान के लिए प्रेरित करने का अभियान चला। परीक्षण के बाद 50 रक्तदाता स्वैच्छिक रक्तदान के लिए पंजीकृत किए गए। न्यास कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंडलाध्यक्ष ललित मोहन गुप्ता ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगी रोटरी क्लब नार्पोलेस सनराइज ने रोटरी क्लब मुरादाबाद ईस्ट के साथ मिलकर क्रेस्ट हास्पिटल में रक्तकोष स्थापित किया है। मुख्य अतिथि नामित मंडलाध्यक्ष रोटेरियन डॉ काव्य सौरभ रस्तोगी ने कहा कि रक्तदान से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। प्रभारी डॉ रिया गर्ग, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, रक्तदाता संजीव गोयल व रोटेरियन विवेक गोयल ने रक्तदान के लाभ बताए। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष संजय किशोर, विनय मेहरोत्रा, काव्य सौरभ रस्तोगी, ललित मोहन गुप्ता, सुरेश चंद अग्रवाल, प्रशांत सिंघल, एके सिंघल, अनिल गुप्ता, मनोज अग्रवाल, डॉ. गौरव कुमार आदि मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों से ढोया जा रहा उपखनिज, आठ के विरुद्ध रिपोर्ट

भगतपुर, अमृत विचार : फर्जी प्रपत्रों से उपखनिज की ढुलाई का एक मामला सामने आया है। नेपा चौकी क्षेत्र में तहसील स्तरीय कर्मचारियों द्वारा वाहनों की नियमित जांच के दौरान आठ उपखनिज लदे वाहनों के प्रपत्र संदिग्ध पाए गए। वाहन चालकों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज फोटोशॉप से कूटरचित किए गए थे। प्रपत्रों में उपखनिज का नाम तथा निर्गमन का समय बदलकर उन्हें वैध दिखाने का प्रयास किया गया था। संदेह होने पर जांच टीम ने सभी दस्तावेज उपजिलाधिकारी सदर को सौंप दिए। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित विभाग द्वारा बारकोड एवं आईएसटीपी नंबर के माध्यम से दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि प्रस्तुत किए गए प्रपत्र वास्तविक नहीं हैं, बल्कि तकनीकी तरीके से फर्जी रूप से तैयार किए गए हैं। इसके पश्चात खान अधिकारी मुरादाबाद राघवेन्द्र सिंह ने थाना प्रभारी भगतपुर को तहरीर देकर संबंधित वाहन स्वामियों व चालकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की तहरीर दी। पुलिस ने आठ वाहन स्वामियों और उनके चालकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच की जा रही है।

यूजीसी कानून पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद छात्रों में खुशी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : गांव गोपीवाला में यूजीसी से जुड़े कानून पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद सवर्ण समाज के छात्रों में खुशी का माहौल देखने को मिला। छात्रों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और आतिशबाजी कर फैसले का स्वागत किया। छात्रों का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय छात्रों और समाज के हित में है। इस मौके पर मौजूद युवाओं ने सर्वोच्च न्यायालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस फैसले का सम्मान करते हैं। कुछ छात्रों ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि समाज को जातियों में बांटने की कोशिश की जा रही है, जिसे वे स्वीकार नहीं करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। बड़ी संख्या में छात्र एकत्र हुए और शांतिपूर्वक अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर धर्मेंद्र चौहान, लवकुश चौहान, दिपाशु चौहान, अक्षय चौहान, भीम चौहान, हर्षित चौहान, गजेंद्र चौहान सहित अन्य छात्र मौजूद रहे। छात्रों ने कहा कि वे आगे भी शिक्षा और सामाजिक मुद्दों पर एकजुट रहकर अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

ताइक्वांडो: 24 को मिली ब्लैक बेल्ट

मुरादाबाद, अमृत विचार : आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट वितरण समारोह का आयोजन हुआ। जिले के 24 ताइक्वांडो खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट दिया गया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि ब्लैक बेल्ट तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों को कई वर्षों तक परिश्रम करना पड़ता है। सफल खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र साउथ कोरिया से प्राप्त होता है। ब्लैक बेल्ट डॉन-1 प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में रोहित कुमार, आशीष सिंह, आर्यन मसीह, अयान नबी, हाकिमीन हसीब, यशोदा थापा, पार्थ मेहरोत्रा, आदित्य सिंह, अविरल सिंह, अब्दुल्ला मुगीज, अब्दुल रहमान, झलक गुप्ता, वैष्णवी शर्मा, सान्वी सिंह, देवांशी तंगनामी, ऋतिक सैनी, वैभव सक्सेना, तनिष्क जैन, युवराज और मयंक दिवाकर शामिल रहे। ब्लैक बेल्ट डॉन-2 में स्वास्तिक सचदेवा और लक्ष्य मिश्रा को ब्लैक बेल्ट व प्रमाण पत्र दिए गए। एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जी कुमार, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अजय शर्मा और डॉ. गरिमा शर्मा ने खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट दिए। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुमित शर्मा, केशव थापा आदि मौजूद रहे।

सीएचसी में नहीं लग सकी एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड मशीन

संवाददाता, कांठ

● मूलभूत जांच सुविधाएं न होने से गरीब व मध्यम वर्ग के मरीज अधिक प्रभावित

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ में अब तक एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनें स्थापित नहीं हो सकी हैं। इसके चलते क्षेत्र के मरीजों को मजबूरन निजी अस्पतालों में महंगे दामों पर जांच करानी पड़ रही है, जिससे आम जनता को भारी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने अधिकारियों से मशीनें लगाए जाने के साथ-साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में मूलभूत जांच सुविधाएं न होने से गरीब और मध्यम वर्ग के मरीज सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

सपा के वर्तमान विधायक कमाल अख्तर ने क्षेत्रवासियों की मांग पर इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा में उठाया था। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ में एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड मशीन, ब्लड बैंक और रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की मांग की थी ताकि क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेहतर हो सकें। उन्होंने सीएचसी कांठ में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, लेकिन आज तक आश्वासन के अलावा कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। क्षेत्रवासी सतबीर सिंह, राजेंद्र सिंह, रतन सिंह और राम सिंह सहित अन्य लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

रास्ते से भैंस हटाने को लेकर किसान व बेटियों से मारपीट

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : रास्ते से भैंस हटाने के विवाद में किसान और दो बेटियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुन्डेसरा निवासी विनोद कुमार पुत्र रघुवीर सिंह के अनुसार 26 जनवरी की शाम करीब 6 बजे वह ट्रैक्टर लेकर घर जा रहा था। रास्ते में घर के पास ही विजेन्द्र पुत्र टेकचन्द द्वारा भैंस बांध रखी गई थी। भैंस हटाने को कहने पर विजेन्द्र सहित विनेश कुमार, विनीत व आशु ने गाली-गलौच करते हुए मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने पर पीड़ित की पुत्रियों मानसी व मीनाक्षी के साथ भी मारपीट की गई, जिससे दोनों घायल हो गईं। आरोप है कि जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोहरा व शीतलहर से कांपे लोग, धूप निकलने पर राहत

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: गुरुवार को घने कोहर के बाद निकली धूप से लोगों ने राहत महसूस की। शीतलहर के प्रकोप से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने लोगों को परेशान कर दिया।

जनवरी के अंतिम सप्ताह में क्षेत्रवासी उम्मीद कर रहे थे कि दिसंबर के बाद उन्हें शीतलहर के प्रकोप से राहत मिलेगी। मंगलवार और बुधवार को हुई वर्षा के बाद गुरुवार की प्रातः मौसम सुबह होते ही घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। वहीं सुबह टहलने निकलने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गलन इतनी तेज थी कि हाथ-पैर सुन्न पड़ गए और लोग ठिठुरते रहे। लोगों ने कूड़ा करकट जलाकर शीत के प्रकोप से बचने का प्रयास किया।

शीतलहर के चलते सुबह घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। रोजमर्रा के काम से निकलने वाले व लोग ठंड से बचाव के लिए गर्म व कपड़ों में लिपटे नजर आए। लोगों ने अलाव और हीटर का सहारा लिया। हवाओं ने बुजुर्गों और बच्चों की परेशानी और बढ़ा दी। दोपहर करीब 1 बजे के बाद सूरज निकला। धूप निकलते ही लोगों ने राहत की सांस ली। बाजारों और चौराहों पर चहल-पहल बढ़ी और लोग धूप सेंकते नजर आए। हालांकि, धूप निकलने के बावजूद ठंडी हवाओं का असर पूरे दिन बना रहा। शाम ढलते ही एक बार फिर तापमान में से गिरावट महसूस की गई और गलन है। नगर पंचायत की ओर से केवल अलाव जलाने की औपचारिकता ही पूरी की गई है। शीत के प्रकोप के चलते जनजीवन स व्यस्त है।

पार्किंग नहीं, आड़े तिरछे खड़े हो रहे वाहन

कांठ, अमृत विचार: नगर में कई बैंकों के पास पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने कारण नागरिकों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

नगर में एसबीआइ, देना बैंक, एचडीएफसी, पीएनबी, भूमि विकास बैंक व पोस्ट ऑफिस के सामने पार्किंग की व्यवस्था न होने से नागरिकों को सड़क पर वाहन खड़े करने पड़ते हैं जिसके कारण काफी दिक्कतें होती है। कई बार बैंकों के अधिकारियों से इस संबंध में नागरिकों ने शिकायत भी की लेकिन कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई। ग्राम रुस्तमपुर निवासी राजपाल ने बताया कि वह पंजाब नेशनल बैंक में पैसे निकालने आया था लेकिन उल्टे सीधे वाहन खड़े होने के कारण उनको चोट लग गई। उन्होंने शिकायत बैंक अधिकारियों से की लेकिन किसी ने संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। बैंक उपभोक्ताओं ने उचित पार्किंग की व्यवस्था के लिए मांग की है।

नोटिस: दस्तावेज जमा करने पहुंचे 300 वोटर

जांच करते बीडीओ राजेन्द्र सिंह।

कार्यालय के बाहर अभिलेख जमा करने के लिए कतार में खड़े लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंदरकी

● कुंदरकी ब्लॉक में लगी कतारें बुजुर्गों-महिलाओं को परेशानी

अमृत विचार : कुंदरकी ब्लॉक में वोटर लिस्ट सुधार के नाम पर आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्राम रूपपुर और ग्राम पंचायत मिलक गुरेर के करीब 300 मतदाताओं को नोटिस थमाए गए थे, जिन्हें अभिलेख लेकर आना था।

खंड विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह के कार्यालय में गुरुवार को इनमें से 253 समेत 10-20 अन्य ग्रामों के लोग भी शामिल हुए। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि नोटिस प्राप्त मतदाताओं का पक्ष सुना गया और उनके दस्तावेजों की जांच की गई।

हालांकि नोटिस पाने वालों का दर्द कुछ और ही है। अभिलेख लेकर पहुंचे लोगों ने बताया कि 2003 की वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होने के बावजूद कई को दोबारा नोटिस मिले। उन्होंने सही डिटेल भरकर एसआईआर फॉर्म भी जमा किया था, फिर भी परेशान होना पड़ रहा है। नौजवानों से लेकर महिलाओं, बुजुर्ग महिलाओं और बुजुर्ग पुरुषों तक लंबी-लंबी लाइनों में खड़े नजर आए। ग्राम मिलक गुरेर से निजामुद्दीन, मोहम्मद आसिफ, गुलाम फरीद, गुलाम कादिर, इम्तियाज आलम, इनामुल हसन, मोहम्मद साजिद, मुनाफ अली, परवेज आलम, ग्राम करनपुर से पिंकू, कुंदरकी से साहिल, नगर कुंदरकी से हसनैन, अब्बास, अबरार हुसैन, रूपपुर से अब्दुल कलाम समेत बड़ी संख्या में महिलाएं नोटिस का जवाब देने पहुंचीं। जनता का कहना है कि उनका समय और मेहनत बर्बाद हो रही है, जिससे रोजमर्रा का काम प्रभावित हो रहा है।

शत-प्रतिशत बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आगामी 10 फरवरी को मनाया जाएगा, जबकि कृमि मुक्ति अभियान 1 से 19 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए गुरुवार को उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिल्पी चौधरी ने बताया कि विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखना है। शत-प्रतिशत बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा अभियान की सतत निगरानी के निर्देश दिए गए। इस मौके पर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

महाकुंभ प्रयागराज 2025 में उत्कृष्ट सेवा पर पुलिस कर्मी सम्मानित

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

अधीनस्थों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते पुलिस क्षेत्राधिकार आशीष प्रताप सिंह।

अमृत विचार : महाकुंभ प्रयागराज 2025 में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में उत्कृष्ट योगदान देने पर कांस्टेबल निशान्त कुमार, दीपक कुमार, रवि कुमार, हेड कांस्टेबल दीपक कुमार को महाकुंभ सेवा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मनित पुलिस कर्मी।

● कार्यशैली और अनुशासन की अधिकारियों ने की सराहना

यह प्रमाण-पत्र डिप्टी एसपी आशीष प्रताप सिंह एवं कोतवाली प्रभारी मनोज परमार कुमार द्वारा प्रदान किया गया। महाकुंभ 2025 का आयोजन विभिन्न आयामों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रहा, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना प्राप्त हुई। महाकुंभ में सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हुए आरक्षी निशान्त कुमार ने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं ईमानदारी से किया। उनकी कार्यशैली और अनुशासन की अधिकारियों द्वारा सराहना की गई। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जारी प्रशस्ति पत्र पर 25 मार्च 2025 की तिथि अंकित है, जिस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्ताक्षर हैं। इस सम्मान से पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल है। डिप्टी एसपी आशीष प्रताप सिंह एवं कोतवाली प्रभारी मनोज परमार कुमार ने आरक्षी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि कर्मठ पुलिसकर्मी विभाग की पहचान होते हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो. 7906815587

कार्यालय नगर पंचायत पाकबड़ा (मुरादाबाद)

पत्रांक : 236/न.पं.पा./2025-26 दिनांक : 29.01.2026

समस्त फर्म/संस्था/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, पाकबड़ा पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त आयोग (टाईड ग्रांट) के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु नगर में निम्न निर्माण/विकास कार्यो को कराये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-निविदा शासन के पत्रांक संख्या 3890/नौ-5-19-149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-5 लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर 2019 एवं निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय गोमती नगर विस्तार, सेक्टर-7 लखनऊ के पत्रांक संख्या एक/706/कम्यू.सेल/2019 लखनऊ दिनांक 27 सितम्बर 2019 के अधीन जारी की जा रही है। क्र.सं. 01 से 08 तक की ऑनलाइन इ-निविदा वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 30.01.2026 अपरान्ह 01:00 बजे से दिनांक 20.02.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है एवं क्र.सं.-09 पर उल्लिखित कार्य की निविदा दिनांक 28.02.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है। क्र.सं. 01 से 08 तक की प्राप्त निविदाएं दिनांक 20.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे एवं क्र.सं-09 पर उल्लिखित कार्य की निविदा दिनांक 28.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे उपस्थित सर्वसाधारण संस्था/फर्म/ठेकेदारों के समक्ष अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) महोदय, मुरादाबाद के कार्यालय में आनलाइन खोली जायेगी। ई-निविदा पत्र के साथ 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी नगर पंचायत पाकबड़ा के खाता संख्या-84030175545952 व IFSC Code : BARBOBUPGBX में आनलाइन जमा कर जमा की गयी रशीद की मूल प्रति संलग्न करनी अनिवार्य होगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते ई-निविदा वेबसाइट http://etender.up. nic.in पर देखी जा सकती है।

विजय आनन्द
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत पाकबड़ा

मौ. याकूब
अध्यक्ष
नगर पंचायत पाकबड़ा

सफाई व्यवस्था बदहाल, नागरिक परेशान

सड़क किनारे लगा गन्दगी का अंबार।

कूड़े के ढेर पर भोजन तलाशते छुट्टा पशु।

संवाददाता, कांठ

● छजलैट तिराहे से नूरपुर सड़क की ओर जाने वाले नाले की कई महीनों से नहीं हुई

अमृत विचार : क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बदहाल होने से आम जनता परेशान है। छजलैट तिराहे से नूरपुर सड़क की ओर जाने वाले नाले की पिछले कई महीनों से सफाई नहीं हुई है। जिसके चलते क्षेत्रवासी काफी परेशान है।

छजलैट क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बदहाल होने से आम जनता परेशान है। छजलैट तिराहे से नूरपुर सड़क की ओर जाने वाले नाले की पिछले कई महीनों से सफाई नहीं हुई है। गंदगी व दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का रहना मुश्किल है। नाले की साफ सफाई न होने के कारण कई बीमारियां पैदा हो रही है। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में ग्राम प्रधान से भी कई बार शिकायत की गई लेकिन ग्राम प्रधान सफाई करने का आश्वासन देकर टाल गए। स्थानीय निवासी सत्यम वर्मा, अरुण चौधरी, बलराज सिंह, संजीव, मयंक चौधरी, दीपांशु चौधरी, जगन्नाथ शर्मा, पवन, आकाश आदि का कहना है कि नाला पूरी तरह अटा पड़ा है। नाले के पास बाजार, दुकाने और कई घर होने के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। पूरे दिन दुर्गंध उठती है।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक

बिलारी, अमृत विचार : गुरुवार को विधानसभा के वीरमपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के उपरांत शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण कर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री को शोक संवेदना व्यक्त कर ईश्वर से प्रार्थना की गई कि शोक संतृप्त परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। इस मौके पर भाजपा के जितेंद्र गुप्ता, सुनील बाल्मीकि, धर्मेंद्र गांधी, जागन सिंह, नेताजी रमेश चंद, बबलू, सोहनलाल प्रजापति, जुबेर अहमद, एहसान आदि उपस्थित रहे।

न्यायालय श्रीमान चकबन्दी अधिकारी महोदय रामपुर
वाद सं. 003 सन् 2025

दी भाई साहब कोपरेटिव फार्मिंग सोसाइटी अरामनगढ़, तहसील बिलासपुर जिला रामपुर द्वारा सचिव-जसवन्त सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी बिहारी नगर माटखेड़ा, तहसील स्वार, जिला रामपुर।.... वादी बनाम

1. गुरमोहन सिंह रंधावा पुत्र जगप्रीत सिहं रंधावा
2. जगप्रीत सिंह रंधावा पुत्र गुरबाज सिंह निवासी ग्राम सरवरनगर, तहसील बिलासपुर जिला रामपुर (उ.प्र.)।....विपक्षीगण

सूचना

चूंकि उपरिनामांकित वादी से इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 9ए(2) सी.एच. एक्ट ग्राम सरवरनगर तहसील बिलासपुर जिला रामपुर विपक्षीगण के विरूद्ध दायर किया है। अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस वाद के खिलाफ हेतु संदर्षित करने के लिए 05.02.2026 को 11 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यकरूपेण हेतु अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त वाद एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 29 माह 01 सन् 2026 को निकाली गई।

न्यायालय चकबन्दी

सूचना

पहले मेरा नाम अकील पुत्र रफीक था जिसे बदलकर अब मैंने मो. आकिल पुत्र रफीक अहमद कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। मो. आकिल पुत्र रफीक अहमद निवासी 275, ग्राम हरथला उत्तरी, मुरादाबाद।

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD IRFAN से बदलकर MOHD IRFAN पुत्र मौ. इल्यास नि. 114 पुराना गंज, तह. सदर रामपुर रख लिया है। मुझे इसी नाम से जानें।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

बाल भिक्षावृत्ति व बाल विवाह पर रोक को लेकर जागरूक किया

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना एएचटीयू, श्रम विभाग एवं जिला चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम द्वारा ऑपरेशन मुक्ति के तहत बालश्रम उन्मूलन अभियान, बाल भिक्षावृत्ति, मानव तस्करी, बाल विवाह पर रोक को लेकर जागरूक किया। महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरुकता अभियान चलाया। थाना मिलक एवं थाना शहजादनगर क्षेत्रान्तर्गत मोटरसाइकिल शोरूम, होटल ढाबों एवं दुकानों आदि से 8 बच्चों को रेस्क्यू कर बालश्रम से मुक्त कराया। इसी क्रम में भिन्न-भिन्न दुकानों के सेवायोजकों को बाल श्रम अधिनियम के बारे बताया गया। बालश्रम रोकथाम के लिए मेडिकल स्टोर, मुख्य चौराहों, होटल, ढाबा मालिकों को हिदायत दी कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर न रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

सैफनी, अमृत विचार : थाना पुलिस ने गुरुवार को जमीनी विवाद को लेकर पीड़ित के चचेरे भाई व परिजनों पर लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला करने एवं जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को नगर भूड़ा गेट के पास राही पेट्रोल पम्प से गिरफ्तार कर चालान किया है। 18 जनवरी को थाना क्षेत्र के मोहम्मद नगर गांव में पुरानी जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया था। मामले में एक पक्ष अमन सिंह पुत्र दंगल सिंह द्वारा दूसरे पक्ष के 11 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इसी मामले के फरार आरोपी नरेशपाल सिंह पुत्र जीवन सिंह को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

कैंटीन संचालक ने दरोगा की शिकायत की

रामपुर, अमृत विचार : थाना कोतवाली क्षेत्र की मोती मस्जिद के समीप सादिक मियां की चाय की कैंटीन है। कैंटीन संचालक का आरोप है कि शाम 5 बजे दरोगा व सिपाही आए और 6 बजे दुकान बंद करके चले जाने की धमकी दी। कैंटीन संचालक का आरोप है कि दरोगा व सिपाही ने अभद्रता भी की। पीड़ित ने मामले में पीड़ित ने एसपी से शिकायत की है।

कैशलेस उपचार का शिक्षकों शिक्षामित्रों ने किया स्वागत

शिक्षकों ने सरकार से की पुरानी पेंशन बहाली की भी मांग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : प्रदेश में शिक्षकों व शिक्षा मित्रों को कैशलेस इलाज मिलेगा। यूपी कैबिनेट ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने को मंजूरी दी है। इससे सरकारी व निजी अस्पतालों में इलाज संभव होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लखनऊ में हुई कैबिनेट बैठक कई अहम फैसले लिए गए। अब प्रदेश के माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मी और उनके आश्रित परिवार सरकारी के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी कैशलेस इलाज करा सकेंगे। इस फैसले का रामपुर के शिक्षकों व शिक्षामित्रों ने स्वागत किया है। शिक्षकों ने कहा कि उनकी ये मांग काफी समय से थी। आयुष्मान योजना में शिक्षकों को शामिल करना बेहद अच्छा कदम है। शिक्षकों का कहना है कि कैशलेस इलाज के बाद सरकार को शिक्षकों की मुख्य मांगों पर भी ध्यान दे तो अच्छा होगा। इसमें पुरानी पेंशन बहाली की मांग मुख्य है।

शिक्षकों के हक में सरकार का अच्छा कदम है। शिक्षकों को उनकी अन्य मांगों को लेकर भी सरकार को ध्यान रखना चाहिए। पुरानी पेंशन बहाली सहित कई प्रमुख समस्याएं हैं। जिनका निवारण होना चाहिए।
– **चरन सिंह**, जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा रामपुर

कैशलेस चिकित्सा योजना को मंजूरी प्रदेश के लाखों शिक्षकों को सरकार का तोहफा है सरकार का सराहनीय कदम है इस योजना से शिक्षकों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं प्राप्त होंगी साथ ही शिक्षकों की सामाजिक आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी। – **रवेंद्र गंगवार**, जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ रामपुर

सरकार का कैशलेस इलाज का यह फैसला सराहनीय है, शिक्षा मित्रों का मानदेय भी बढ़ाना चाहिए। कैशलेस इलाज से शिक्षामित्रों को काफी राहत मिलेगी।
– **राजपाल**, शिक्षा मित्र प्राथमिक विद्यालय खौदपुरा

सरकार द्वारा देर से लिया अच्छा कदम है। सरकार को शिक्षकों और राज्य कर्मचारियों में भेदभाव समाप्त करना चाहिए और शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधाएं देनी चाहिए। – **आनंद प्रकाश गुप्ता**, जिला मंत्री उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ रामपुर।

हाईवे पर स्पेयर पाट्र्स की दुकान में चोरी

बिलासपुर, अमृत विचार : चोरों ने स्पेयर पाट्र्स की की दुकान में नकब लगाकर भीतर से 15 हजार रुपये की नकदी समेत करीब दो लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित दुकान स्वामी ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

नगर के मोहल्ला शीरी मियां निवासी मोहम्मद फईम नैनीताल हाईवे स्थित रिलायंस पंप के सामने स्पेयर पाट्र्स की दुकान चलाते हैं। पीड़ित के अनुसार बीते बुधवार रात वह दुकान में ताला लगाकर घर चले गए थे। रात्रि में किसी समय से चोरों ने उनकी दुकान के पीछे से दीवार में नकब लगाकर घुस गए। गुरुवार सुबह जब वह दुकान पर पहुंचा तो भीतर सामान अस्त-व्यस्त में पड़े होने तथा दीवार में नकब लगने की जानकारी हुई। सूचना पाकर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जानकारी प्राप्त की। दुकान स्वामी ने बताया की 15 हजार रुपये की नकदी, स्पेयर पाट्र्स का सामान समेत दो लाख रुपये सामान चुराकर ले गए हैं। इस पर उपनिरीक्षक महेश चन्द्र ने बताया अभी तहरीर नहीं आई है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : हरीश

शाहबाद में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष।

संवाददाता, शाहबाद

अमृत विचार : गुरुवार को शाहबाद में भाजपा की बैठक हुई। इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से वोट बनवाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता क्षेत्र में 10-10 नए वोट अवश्य बनवाएं।

18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी युवाओं के वोट बनवाएं, ताकि लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका सुनिश्चित हो सके। कार्यकर्ताओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और समय-सीमा की जानकारी भी दी गई। साथ ही युवा वर्ग से विशेष रूप से आगे आकर मतदान से जुड़ने और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में शामिल कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक काशीराम दिवाकर, सुरेश बाबू गुप्ता, संजय चौधरी, सुभाष भटनागर, जगपाल सिंह यादव, नरेंद्र सिंह, दर्शन सिंह , वेदप्रकाश सागर, नेतराम कश्यप, केपी सिंह, अनुभव शर्मा, आशीष गुप्ता, राकेश गुप्ता, कुमारपाल यादव, महेश चंद्रवंशी, पंडित नरेश शर्मा, विवेक पाण्डेय, मनवीर यादव आदि उपस्थित रहे।

हाईवे पर खड़े 3 ट्रकों से 700 लीटर डीजल चोरी

बिलासपुर, अमृत विचार : चोरों ने नैनीताल हाईवे के किनारे खड़े तीन ट्रकों से 700 लीटर डीजल चोरी कर लिया। पीड़ित ट्रक चालकों ने घटना से पुलिस को अवगत कराया है।

घटना गांव मुल्लाखेड़ा के निकट होटल की बताई जा रही है। ट्रक चालक मुकेश कुमार और जोगिंदर सिंह के अनुसार वह उत्तराखंड से अपने ट्रकों में सामान भरकर उसे गाजियाबाद छोड़ने जा रहे थे। रात अधिक होने की वजह से वह लोग हाईवे किनारे ट्रकों को खड़ा करके होटल पर भोजन करने चले गए। तभी चोरों ने ट्रकों को निशाना बनाते हुए डीजल टैंकों का ढक्कन खोलकर उसमें से तेल चोरी कर लिया। भोजन करके लौटे चालक जब टायर देखने गए तो उन्हें डीजल टैंक के ढक्कन खुले मिले। उन्होंने जब चेक किया तो टैंकों से तेल गायब था। बताया की तीन ट्रकों से लगभग 700 लीटर डीजल चोरी किया गया है। जिसकी कीमत लगभग 60 हजार के करीब रही होगी। बताया कि इस घटना की तहरीर पुलिस को सौंप दी है। इस पर उपनिरीक्षक महेश चंद्र ने घटना के प्रति अभिज्ञानता जताई है।

यहां कदम-कदम पर धरती बदले रंग...

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रामपुर वैश्य समाज महिला संगठन यूथ क्लब द्वारा बुधवार रात गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम किया। होटल मंथन में आयोजित दा रॉयल्स थीम पर महिलाओं ने नृत्य किया। इसमें यहां कदम-कदम पर धरती बदले रंग जैसे गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया।

वैश्य समाज प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीति गुप्ता व जिलाध्यक्ष महिला संगठन अनुश्री अग्रवाल ने टीम के साथ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर आरंभ किया। प्रार्थना और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। नगर महामंत्री के बेटे अक्षिव अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य नेहा जिंदल की बेटी वेदिका जिंदल ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजिका वंदना गुप्ता और शुभांगी अग्रवाल ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति पर खूब तालियां बटोंरी। उसके बाद

कार्यक्रम में मौजूद वैश्य समाज महिला संगठन की सदस्य व पदाधिकारी। • अमृत विचार

- **वैश्य समाज महिला संगठन ने गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी को लेकर किए कार्यक्रम**

टीम ने बहुत सारे गानों वाले गेम्स कराकर प्रस्तुत की। रॉयल क्वीन वंदना अग्रवाल रही। रॉयल गेस्ट आयुषी अग्रवाल को चुना गया। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीती गुप्ता ने बताया कि जब संगठन मजबूत होगा तभी हमारा समाज मजबूत होगा। वैश्य समाज सभी को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करता है और आगे भी करता रहेगा। इस दौरान फिजियोथेरेपिस्ट मीरा, इना गुप्ता, ममता सोनी, नई पदाधिकारी नयना गुप्ता, जिला संगठन मंत्री मोनिका अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, जिला संरक्षक ऋचा अग्रवाल, जिला महामंत्री नेहा गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, वर्षा वार्ष्णेय, कुसुम जिंदल, रेणु सक्सेना, सुनयना गुप्ता, भारती गुप्ता, दीपिका अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मेघा अग्रवाल, नेहा जिंदल, अचल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, प्रीति गुप्ता, सुप्रिया अगरवाल, राशि अग्रवाल, रोशनी अग्रवाल, सुनीता गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, निधि रस्तोगी, वर्षा वार्ष्णेय, नीतू गुप्ता, ममता सोनी, मोनिका गोयल, रुचि जिंदल, पूजा अग्रवाल, राशी अग्रवाल आदि महिला सदस्य मौजूद रहीं।

पुलिया बंद करने से फसलें जलमग्न

संवाददाता, मसवासी

अमृत विचार : बिजारखाता में स्वार-बाजपुर मार्ग पर पुलिया की जल निकासी बंद कर देने से ग्रामीणों की फसलें जलमग्न हो गईं हैं। जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार देर रात तेज बारिश होने से नाला संपूर्ण रूप से उफन गया और खेतों में उसका पानी पहुंच गया। जिससे गेहूं, मटर, लहसुन की फसलें जलमग्न हो गईं हैं।

इसके अलावा गांव के जल निकासी करने वाली पुलिया की जल निकासी को कुछ लोगों ने अवरुद्ध कर दिया है, जिससे आसपास के किसानों की तमाम फसलें पानी से जलमग्न हो गईं हैं। किसान मोहम्मद रफी, मोहम्मद नबी, रफीक अहमद, अशरफ अली, कमल मोहम्मद, गफ्फार रफीक अहमद आदि किसानों के खेतों में नाले का पानी घुस गया। जिससे फसलें जलमग्न हो गई हैं और किसानों की परेशानी बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि गांव की जल निकासी दुरुस्त बनाने के लिए शनिवार की साप्ताहिक बाजार से तालाब में पानी डालने के लिए पुलिया बनाकर अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कोई भी अधिकारी ईश्वर ध्यान नहीं दे रहा है। एसडीएम को भी इस मामले में कई बार अवगत कराया जा चुका है। किसानों का कहना है कि बाजपुर-स्वार मार्ग पर पुलिया को कुछ लोग बंद कर देते हैं, जिससे जल निकासी अवरुद्ध हो जाती है। किसानों ने तहसील प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है।

जल निकासी बंद होने से दूषित पानी से जलमग्न फसलें। • अमृत विचार

- **किसानों ने अधिकारियों से लगाई कार्रवाई की गुहार**

उर्स-ए-एजाजी में की गई चादरपोशी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सेजनी नानकार में 14वें उर्स-ए-एजाजी का बड़ी शान-ओ-शौकत के साथ समापन हो गया। सूफी एजाज मियां के विसाली कुल शरीफ में जायरीनों ने शिरकत की, गुरुवार को आखिरी विसाली कुल शरीफ के साथ उर्स संपन्न हुआ।

अलहाज सूफी एजाज मियां के 14वें उर्स की शुरुआत 27 जनवरी को गुस्ल शरीफ से हुई। आस्ताना एजाजी के सज्जादनशीन हजरत सूफी अबरार मियां एजाजी कदीरी की सरपरस्ती में मजार ए मुबारक पर संदल पेश किया। तीन रोज इस उर्स में आखिरी दिन बाद असर कुल शरीफ हुआ, दिन भर दरगाह पर चादरपोशी व गुलपोशी का सिलसिला चलता रहा। गुरुवार सुबह 7:42 बजे पर सूफी एजाज मियां कादरी का विसाली कुल हुआ और शाम आखिरी कुल शरीफ की रस्म के बाद महफिल-ए -सिमा के साथ उर्स का समापन हो गया। एजाजी कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें प्रदेशभर से उलेमा और मौलवियों ने शिरकत की। मौलाना सैयद मुफ्ती इंतेसाब कदीरी मुरादाबादी, अल्लामा नूर मियां पीलीभीती, शहर मुफ्ती, इमाम जामा मस्जिद रामपुर, सैयद काशिफ मियां, हाफिज शाह जमालुल्लाह से हजरत फहद मियां रामपुर, मजार शाह दरगाह से शाहिद मियां व उलेमाओं ने तकरीर की और हजरत सूफी एजाज मियां की तालीमत उनकी रुहानी शख्सियत का जिक्र किया। अफजाल मियां, इंतखाब मियां, सरफराज मियां, फराज मियां, मेराज मियां, अली मियां ने स्टेज और लंगर खाने के निजाम को खूबसूरती से अंजाम दिया। इस मौके पर ग्राम सेजनी नानकार रामपुर से मुराद हसन, फिदा अली, नूर मोहम्मद, पप्पू खां, शाहिद खां, जैद खां, महबूब खां, नावेद खां मकसूद खां व अन्य लोग मौजूद रहे।

उर्स-ए-राजाजी के दौरान सज्जादानशीन व मौजूद अतिथि। • अमृत विचार

- **तीन दिवसीय उर्स में अकीदतमंदों ने दरगाह में लगाई हाजिरी**

प्रशिक्षण में उद्यमिता और खाद्य प्रसंस्करण की जानकारी दी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना के तहत जिले में उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े लाभार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने के लिए तीन दिवसीय बेनीफिशरी प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हो गया। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र में 27 से 29 जनवरी तक प्रशिक्षण हुआ, इसमें उद्यमिता और खाद्य से जुड़ी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षार्थियों को खाद्य सुरक्षा मानक, गुणवत्ता नियंत्रण, लाइसेंसिंग प्रक्रिया, विपणन रणनीति, वित्तीय प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ी व्यवहारिक जानकारी दी गई। सहायक आयुक्त (खाद्य) व अभिहीत अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम व मानकों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। औषधि निरीक्षक विजय शंकर कुमार ने खाद्य एवं औषधि निरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी। एएलडीएम अशोक कुमार द्वारा बैंक ऋण, वित्तीय सहायता एवं सब्सिडी से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मो. दानिश ने खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र धमोरा के वैज्ञानिक डॉ. आशीष कुमार द्वारा कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण एवं नवाचार पर उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। जिसमें फिरासत खां, रोहतास सिंह, साहब सिंह, इसरार हुसैन, मोहरपाल, राकेश कुमार, आरिफ उमर, अजय कुमार रहे।

नगर व 32 गांवों की आपूर्ति चार घंटे बाधित

मसवासी, अमृत विचार : टांडा से दड़ियाल होकर मसवासी पहुंच रही 33000 केवी लाइन में फिर ब्रेकडाउन हो गया, जिससे मसवासी नगर समेत 32 गांव की बिजली आपूर्ति 4 घंटे बाधित रही।

गुरुवार को टांडा से दड़ियाल होकर मसवासी पहुंच रही 33 हजार के बी लाइन में ब्रेकडाउन हो गया। जिससे मसवासी नगर समेत चाउपुरा, भूबरा, बिजारखाता, खानपुर उत्तरी, खोद कलां, गगन नगली, मोतीपुरा, सीतारामपुर, अलीगंज सहित करीब 32 गांवों की बिजली आपूर्ति 4 घंटे बाधित रही। आएदिन हाईटेंशन लाइन में ब्रेकडाउन से मसवासी नगर समेत आसपास के गांव की बिजली आपूर्ति कभी भी ठप हो जाती है। दोपहर बाद ब्रेकडाउन दूर हो सका। कार्यवाहक अवर अभियंता श्याम सिंह ने बताया की ब्रेकडाउन दूर कराकर बिजली आपूर्ति दुरुस्त कर दी गई है।

मेरठ में अमित श्रीवास्तव को सम्मानित करते वरिष्ठ चिकित्सक। • अमृत विचार

डॉ. अमित श्रीवास्तव को मेरठ में मिला गोल्ड मेडल

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने चिकित्सा के क्षेत्र में नाम रोशन किया है। उन्हें लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज मेरठ में आयोजित सम्मान समारोह में डिप्लोमा इन चाइल्ड हेल्थ डीसीएच में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित किया।

डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने किंग जॉर्ज चिकित्सा महाविद्यालय केजीएमसी लखनऊ से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है तथा लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज मेरठ से पोस्ट ग्रेजुएट डीसीएच किया है। डीसीएच में अच्छे प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया । डॉ. अमित को शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कार्यक्रम | अंधविश्वास के खिलाफ वैज्ञानिक जागरुकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने नाटक प्रस्तुत किए

अंधविश्वास समाज को पीछे धकेलता है, विज्ञान बढ़ाता है

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वावधान में गुरुवार को जिला विज्ञान क्लब रामपुर द्वारा अंधविश्वास के खिलाफ वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अंधविश्वास समाज को पीछे धकेलता है और विज्ञान समाज को आगे करता है।

मुख्यातिथि उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल रहे। विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य राजकीय मुर्तजा इंटर कॉलेज योगेंद्र पाल सिंह रहे। अध्यक्षता प्रधानाचार्य राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज डॉ. शालू कौशल ने की। विज्ञान संचारक राजू सिंह ने अनेक रोचक वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन किया। जिनमें आग से नहाना, नींबू से खून निकालना, गिलास से पानी गायब करना, छलनी से पानी रोकना जैसे प्रयोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि ये तथाकथित चमत्कार वास्तव में विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित हैं। किसी अलौकिक शक्ति पर आधारित नहीं है। मुख्यातिथि सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि अंधविश्वास समाज को पीछे धकेलता है और विज्ञान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने लोगों से बाबाओं, तंत्र-मंत्र और भूत-प्रेत जैसी धारणाओं से दूर रहने की अपील की। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र पाल सिंह ने कहा कि कुछ लोग रासायनिक पदार्थों का प्रयोग कर तथाकथित चमत्कार दिखाते हैं, जिन्हें लोग अंधविश्वास से जोड़ लेते हैं, जबकि वे पूर्णतः वैज्ञानिक प्रक्रिया होती है। डॉ. शालू कौशल ने कहा कि वे स्वयं वैज्ञानिक सोच अपनाएं और अपने परिवार, विशेषकर महिलाओं को भी अंधविश्वास से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। विद्यार्थियों द्वारा अंधविश्वास के खिलाफ नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, चार्ट प्रदर्शन तथा वैज्ञानिक जागरूकता विषय पर निबंध प्रतियोगिता की गई। कार्यक्रम के अंत में जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक सोमपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वेदप्रकाश आहूजा, रेनू, प्रगति गोयल, कल्पना सिंह, अंजू सिंह, अंजली, मोहिनी, रूमा खान, नाजिया, आकाश कुमार, बबीता गुप्ता, रंजीता, सुरेन्द्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं के साथ अतिथि व शिक्षक।

पोस्टर-चार्ट प्रतियोगिता में अलीश रही प्रथम

पोस्टर-चार्ट प्रतियोगिता में राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज की अलीशा प्रथम रहीं। राजकीय इंटर कॉलेज के मोहम्मद रेहान द्वितीय और समसी गर्ल्स इंटर कॉलेज की फलक तृतीय रही। जबकि आफरीन राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज, बिजरा समसी गर्ल्स इंटर कॉलेज को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निबंध प्रतियोगिता में समसी गर्ल्स इंटर कॉलेज की शीबा प्रथम, राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज की अदीबाद द्वितीय, राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज की मीत भाटिया तृतीय रहीं। कहकशां समसी गर्ल्स इंटर कॉलेज, अदीबा खान राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज को सांत्वना पुरस्कार दिया। मूल्यांकन समिति में शमीम खान, हरप्रीत कौर व सुधीर कुमार शामिल रहे। विजेता विद्यार्थियों को मुख्यातिथि द्वारा स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जहन्नुम की आग से महफूज रहेगा हाफिज कुरआन

संवाददाता, मसवासी

अमृत विचार : नगर के मदरसा दारुल उलूम अल्जामियातुर रिजविया में गोसुलवरा कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। जिसमें बाहर से आए उलमाओं ने मदरसे के तालिबे इल्मों की दस्तार बंदी की। मदरसे में छह तालिबे इल्म को पगड़ी पहनाकर दस्तारबंदी कर सनद सौंपी।

मदरसा रिजविया मे मंगलवार की रात जलसा हुआ, जिसका कुरान की तिलावत व नातिया कलाम से साथ आगाज किया। जिसमें उलमाओं ने कुरआन की फजीलत बयान की। उलमाओं ने ज्यादा से कुरान की हिफ्ज करने की सलाह दी। वहीं मुफ्ती खुर्शीद आलम ने तकरीर में कहा कि हर मुसलमान को अपने बच्चों को हिफ्ज कराना चाहिए। जिससे दीन दुनिया में कामयाबी मिलती है। लोग हाफिजों से अदब व एहतराम से मिलते है। वहीं अल्लाह ने भी कुरान हाफिज के दर्जे बुलंद कर रखे हैं। बुलंदशहर के मौलाना शाकिर ने कहा कि अल्लाह हाफिज के परिवार सात लोगों को जन्नत में दाखिल करेगा। जिनके ऊपर जहन्नुम वाजिब हो चुकी होगी। मौलाना अशफाक भोजपुरी ने हाफिज ए कुरान के बारे में विस्तार से बताया। मदरसे के तालिबे इल्म हाफिज मोहम्मद नावेद, हाफिज मोहम्मद कामिल, हाफिज मोहम्मद ताहिर, हाफिज मोहम्मद महफूज, हाफिज मोहम्मद आरिफ, हाफिज मोहम्मद समीर सहित छह हाफिजों की दस्तारबंदी की गई। मौलाना फुरकान ने निजामत की। इस दौरान मौलाना मोहम्मद कमर, हाफिज मोहम्मद आरिफ, मौलाना साबिर, मौलाना अतहर जमाली, हाफिज मोहम्मद आरिफ, जाकिर, महफूज आलम, जमील अहमद रहे।

मसवासी में मदरसा गोसुलबरा कॉन्फ्रेंस में तकरीर करते उलमा। • अमृत विचार

- **मसवासी में गोसुल बरा कांफ्रेंस में छह कुरआन हिफ्ज**

बार काउंसिल के लिए आज से होगा मतदान

रामपुर में दो हजार से अधिक अधिवक्ता करेंगे मतदान, कचहरी में तैयारी की गईं दुरुस्त

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव को लेकर रामपुर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 30 और 31 जनवरी को जिला सत्र न्यायालय परिसर में मतदान होगा, जहां 2000 से अधिक अधिवक्ता प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे। चुनाव के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मतदान दोनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि जिला सत्र न्यायालय परिसर में पोलिंग सेंटर बनाया गया है, जहां जिले की सभी तहसीलों के रजिस्टर्ड अधिवक्ता मतदान करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन इंस्पेक्टर, 15 सब इंस्पेक्टर, 55 आरक्षी और 15 महिला आरक्षियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय परिसर और आसपास के चिह्नित स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए पूरे मतदान परिसर पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मतदान की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी संतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इस बार मतदान के लिए बेहतर और व्यवस्थित इंतजाम किए गए हैं, जिससे चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगा।

कचहरी में मतदान को लेकर लगाई गई बैरिकेडिंग। ● अमृत विचार

बैंक्वेट हॉल में प्रेसवार्ता में बोलते शाहनवाज हुसैन।

हाईकोर्ट स्थापना के लिए करेंगे प्रयास

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के 30 व 31 जनवरी को होने वाले चुनाव को लेकर सदस्य पद के उम्मीदवार व पूर्व विधायक शाहनवाज राना ने रामपुर पहुंचकर में जनसंपर्क किया। वह बार काउंसिल ऑफ उप्र के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि पउप्र में हाईकोर्ट स्थापना की मजबूत पैरवी करेंगे और दुर्घटना राशि चार गुना बढ़ाएंगे। उन्होंने रामपुर कचहरी में अधिवक्ताओं से संवाद कर अपने पक्ष में वोट देने की अपील की। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि यदि उन्हें बार काउंसिल में प्रतिनिधित्व का अवसर मिलता है तो अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, उनके सम्मान तथा सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बार काउंसिल अधिवक्ताओं की सशक्त आवाज है। इसे और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं मजबूत बनाए जाने की आवश्यकता है। शाहनवाज राना ने भरोसा दिलाया अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन स्तर तक उठाएंगे। इस दौरान बार एसोसिएशन रामपुर के पूर्व अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू सहित अधिवक्ताओं ने उनके पक्ष में वोटिंग की अपील की।

अनुराग हत्याकांड में चारों आरोपी बरी

रामपुर, अमृत विचार : 20 मई 2020 को रामपुर में अनुराग शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में साक्ष्यों के अभाव में कोर्ट ने चारों आरोपियों को बरी कर दिया है।

मामले में पत्नी शालिनी शर्मा ने सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी थी कि उनके पति अनुराग शर्मा सीओडी फार्म आगापुर में 20 मई 2020 को शाम 8 बजे ज्वालानगर से अपने साथी सुनील यादव व छत्रपाल यादव के साथ घर की तरफ आ रहे थे। तभी पीछे से दो मोटरसाइकिल पर चार अज्ञात व्यक्ति आए, पीछे बैठे दोनों व्यक्तियों ने अनुराग शर्मा के दो गोलियां मारी और भाग गए। इस घटना को छत्रपाल गटव व सुनील यादव ने देखा और सामने आने पर हमलावरों को पहचानने की बात कही। बताया उनके पति शिवसेना के पूर्व में जिला संयोजक थे। जिसको लेकर पूर्व में कुछ लोग मेरे पति से रंजिश मानते थे। मामले में बाद में हिमांशु उर्फ बाबू, राजकिशोर, छत्रपाल यादव व पवन यादव को नामजद किया गया। अधिवक्ता विजय कुमार क्षत्रिय ने बताया कि मामले में कई गवाह पेश किए गए, लेकिन साक्ष्यों के अभाव में कोर्ट ने चारों को बरी कर दिया है।

1331 खनन वाहनों की जांच की, 11 का किया चालान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● अवैध खनन व ओवरलोडिंग अभियान के तहत चेकिंग जारी

अमृत विचार : जिले में अवैध उप-खनिज खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कड़ी निगरानी और कार्रवाई जारी है। बुधवार रात को जांच टीम ने 1331 खनन वाहनों की जांच की और 11 वाहनों पर कार्रवाई की।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार बुधवार रात को जिले की सभी तहसीलों में प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर 10 चेक प्वाइंट स्थापित कर रात 8 बजे से प्रातः 7 बजे तक विशेष जांच अभियान चलाया। प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कुल 1331 वाहनों की जांच की गई, जिसमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 वाहनों पर चालान की कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी ने लेखपालों एवं कानूनगो को जिले में मानक से अधिक मिट्टी उठान अथवा अवैध खनन पाए जाने पर जुर्माना एवं एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग से संबंधित किसी भी गतिविधि को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन को लेकर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

पुलिस ने 37,999 रुपये खाते में वापस कराए

रामपुर, अमृत विचार : थाना शाहबाद ढकिया गांव निवासी मनोज कुमार ने 8 जनवरी को साइबर पोर्टल पर क्रेडिट कार्ड से 37999 रुपये कट जाने की शिकायत थी। पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल अधिकारी साइबर अपराध) ने साइबर सेल थाना शाहबाद द्वारा पीड़ित के 37,999 रुपये वापस कराए। पुलिस ने पीड़ित को बताया कि गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर फ्रॉड व धोखाधड़ी होने पर तत्काल पोर्टल पर शिकायत करें। इसके अलावा 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं। साइबर सेल टीम में थाना शाहबाद प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, प्रभारी साइबर सैल जयप्रकाश सिंह, उप निरीक्षक अतिशय जैन कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार शामिल रहे।

पीएम विश्वकर्मा के लाभार्थियों को दिये टिप्स

संभल, अमृत विचार: एमएसएमई विकास कार्यालय आगरा द्वारा गुरुवार को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम राजकीय आईटीआई संभल के सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का आरंभ प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई संभल स्तुति गुप्ता, जिला प्रबंधक कौशल विकास पवन सिंह, डिप्टी कमिश्नर डीआईसी संभल लोकेंद्र कुमार तथा एमएसएमई विकास कार्यालय की सहायक निदेशक नेहा मेहतो ने किया। एसबी रस्तोगी ने उद्यम विकास एवं मार्केट स्ट्रेटेजी पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। एलडीएम ललित कुमार राय ने वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सुविधाओं और ऋण से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर लाभार्थियों को जानकारी दी। राजकीय आईटीआई से अरविन्द कुमार ने उद्यमिता विकास से संबंधित पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए लाभार्थियों को प्रेरित किया।

थाना भोट का निरीक्षण करते एसपी विद्या सागर मिश्र। ● अमृत विचार

पुलिस अधीक्षक ने भोट थाने का किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने गुरुवार शाम क्षेत्राधिकारी बिलासपुर हर्षिता सिंह के साथ थाना भोट का वार्षिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय पर बने अपराध रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि एवं उनके रख-रखाव, साफ-सफाई, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को चेक किया। साथ ही थाना परिसर मे बने कार्यालय, मालखाना, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल की साफ-सफाई को लेकर संबंधित को निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारी व कर्मचारियों को उनके व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य एवं कार्य–जीवन संतुलन से संबंधित विषयों पर गोष्ठी की। उन्होंने यक्ष एप के बारे में निर्देश दिए।

ब्राह्मण महासभा ने यूजीसी बिल के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने यूजीसी बिल को वापस लिए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी की गैरमौजूदगी में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए बिल पर फिलहाल रोक लगा दी है।

बुधवार को पदाधिकारी युवा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष रोहित शर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी मुख्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन डीएम की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट शालिग राम को सौंपा। जिसमें कहा कि संगठन यह स्पष्ट एवं सशक्त मांग करता है। कि उक्त यूजीसी के नए बिल की अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। साथ ही सभी वर्गों के छात्रों के अधिकारों को समान रूप से ध्यान में रखते हुए एक निष्पक्ष, संतुलित एवं संविधान सम्मत नीति का निर्माण किया जाए। मांग की कि जब तक इस अधिसूचना को वापस नहीं लिया जाता है। तो संगठन लोकतांत्रिक, संवैधानिक एवं विधिक तरीकों से इसका विरोध करती रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर अपने संवैधानिक अधिकारों के अंतर्गत विधिक उपाय अपनाने के लिए भी बाध्य होगी। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से इस गंभीर एवं संवेदनशील विषय पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए न्यायोचित एवं राष्ट्रहित में निर्णय लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भले ही इस पर फिलहाल रोक लगाई है, लेकिन सरकार को भी इसमें हस्तक्षेप कर कानून को वापस लिया जाए। इस मौके पर अजय पाठक, राकेश शर्मा, पवन पाठक , संदीप शर्मा, प्रिंस शर्मा, राम मोहन चतुर्वेदी, हरिओम शर्मा, विशाल शुक्ला, शेखर शर्मा, लालता प्रसाद शर्मा, ओमेंद्र पांडेय, प्रदीप श्रोत्रिय, त्रिलोकी शर्मा, शुभम शर्मा, अनिल पाठक आदि ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के सदस्य।

यूजीसी बिल पर रोक लगने के बाद मिठाई खिलाते लोग। ● अमृत विचार

यूजीसी पर रोक सवर्ण समाज की जीत : शंखधार

मिलक, अमृत विचार : राष्ट्र सेवा संस्थान के अध्यक्ष आदेश शंखधार ने बताया कि सरकार ने जल्दबाजी में यूजीसी बिल पेश किया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी पर रोक लगा दी है। यूजीसी बिल के विरोध में पूरे देश में सवर्ण समाज ने सड़कों पर उतर कर संवैधानिक रूप से इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को यूजीसी के नए बिल को अनुचित मानते हुए तथा भविष्य में सामान्य वर्ग के छात्र– छात्राओं के हितों पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए इस पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी है। जिससे संपूर्ण सवर्ण समाज में हर्ष का माहौल है। गुरुवार को उनके कार्यालय पर मिष्ठान खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी गई। कार्यक्रम में ब्रह्मशंकर पांडेय, चिंतामणि बहुगुणा, राजेंद्र कुमार पांडेय, ठाकुर दास पांडेय, अरुण शर्मा, ओमदत्त पांडेय, उमाकांत मिश्रा, कृष्ण मुरारी शर्मा, हर्षित शर्मा, अतुल शर्मा शामिल रहे।

सैफनी में आवारा कुत्तों से दहशत में हैं लोग

संवाददाता, सैफनी

अमृत विचार : नगर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ रहा है, कुत्तों का झुंड स्थानीय क्षेत्र में घूम रहा है। जिससे लोग दहशत में है। जगह-जगह से आ रही कुत्तों के हमले करने की खबरों से लोग पहले से ही दहशत में हैं। आएदिन स्कूली छात्र छात्राएं उनके हमले का अक्सर शिकार हो जाते हैं।

सड़कों पर निकलना आमजन के लिए चुनौती बन गया है। जगह-जगह कुत्तों के झुंड राहगीरों पर टूट पड़ते हैं, जबकि बाइक सवारों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। अचानक हमलों में कई लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल भी हो जाते हैं। हालात ऐसे हैं कि अभिभावक बच्चों को अकेले बाहर भेजने से भी डर रहे हैं। सुबह-शाम राहगीर तो रात में बाइक सवार कुत्तों के निशाने पर नगर वासियों के अनुसार, कुत्ते खासकर रात के समय बाइक सवारों पर अचानक हमला करते हैं। सुबह और शाम के वक्त ये झुंड बनाकर स्कूल जाते बच्चों,और राहगीरों पर झपट पड़ते हैं।गुरुवार को भी कादरी मोहल्ले से होकर गुजर रहे स्कूली छात्र-छात्राओं को देखकर कुत्ते भोकने लगे जिससे बच्चे दहशत में आ गए, लोगों ने बच्चों को रास्ता पार कराया।

सैफनी में आवारा कुत्तों का झुंड।

बीआरसी में मीना मंच का प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र मिलक में मीना मंच कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में ब्लॉक मिलक के सभी सुगमकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों के समग्र विकास के लिए मीना मंच सत्रों के प्रभावी संचालन के लिए सुगमकर्ताओं को सक्षम बनाना रहा।

प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर शबीना मसूरी एवं प्रभाकर गौतम द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सत्र संचालन के लिए आवश्यक सामग्री जैसे मॉड्यूल, सत्र योजना, रजिस्टर, बच्चों के मूल्यांकन प्रपत्र, प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट तथा खेल-कूद आधारित गतिविधियों की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनरों द्वारा सुगमकर्ताओं को उनके नियमों से अवगत कराया। जिनमें पूर्ण तैयारी, किशोर-किशोरियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, भेदभाव रहित दृष्टिकोण, सहज, शालीन एवं भयमुक्त वातावरण का निर्माण तथा सरल एवं स्पष्ट भाषा के प्रयोग पर विशेष बल दिया गया। इस प्रशिक्षण में ब्लॉक के सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों से एक-एक अध्यापक ने भाग लिया। प्रमुख रूप से सैयद आफाक हुसैन, आजम अली, अर्शी शफीक, मुक्ति शर्मा, वैशाली यादव, उर्वशी, पारुल सक्सेना, जयश्री सहित अन्य अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए विद्यालय स्तर पर मीना मंच गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया।

बीआरसी मिलक में प्रशिक्षण के बाद प्रमाणपत्र के साथ शिक्षक।

● प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए

जिले में चाइनीज मांझे पर लगा प्रतिबंध

रामपुर, अमृत विचार : जन सुरक्षा के दृष्टिगत जिले में पतंगबाजी में प्रयोग किए जाने वाले चाइनीज मांझे एवं अन्य धारयुक्त धागों के निर्माण, क्रय-विक्रय, परिवहन और भण्डारण पर तत्काल प्रभाव से पूर्णतः प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) डॉ. नितिन मदान ने जिले के सभी उप जिला मजिस्ट्रेटों एवं क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में नगरपालिका एवं नगर पंचायत के दायित्वधारियों के सहयोग से अभियान चलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अभियान के दौरान दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सुसंगत प्राविधानों एवं नियमों के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। क्षेत्र में चाईनीज मांझे के निर्माण, क्रय-विक्रय, परिवहन एवं भंडारण पर पूर्ण प्रतिबन्ध का कड़ाई से अनुपालन हो। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि की कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट लगातार उन्हें दी जाए।

कैंटर चालक के जलने की घटना में रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मंगलवार रात दिल्ली-लखनऊ हाईवे 24 पर हुए सड़क हादसे में कैंटर चालक गुरजिंदर सिंह की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। हादसे के 21 घंटे बाद थाना सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के समय कैंटर में मृतक का बहनोई भी मौजूद था। उसने अपने साले को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग और धुएं के कारण वह सफल नहीं हो सका। इस हादसे में बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने रामपुर के एक श्मशान घाट में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि जगदीश दो भाइयों में छोटा था और दोनों ही वाहन चलाने का काम करते थे। जिस आयशर कैंटर से यह हादसा हुआ, वह मृतक जगदीश के नाम पर ही पंजीकृत था। जगदीश बरेली से स्क्रैप लेकर दिल्ली जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। मृतक चालक के पिता सेवा सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। परिजनों ने पुलिस से आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग की है।

आंगनबाड़ीकर्मियों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : महिला आंगनबाड़ी कर्मियों ने विभिन्न मांगों के समर्थन में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में बैठक की और फिर कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। यहां सिटी मजिस्ट्रेट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

गुरुवार को आंबेडकर पार्क में आंगनबाड़ी कर्मियों ने लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के बाद आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट की ओर गईं। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, उनके मानदेय में वृद्धि करने और मोबाइल व इंटरनेट रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध कराने जैसी मुख्य मांगें की हैं। आंगनबाड़ी कर्मियों ने बताया कि वे वर्षों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें अभी तक स्थायी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। कम मानदेय में काम करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है, जबकि डिजिटल कार्यों के बढ़ते बोझ के बावजूद मोबाइल और इंटरनेट का खर्च उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है। सेवानिवृत्ति के बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वही सुविधाएं मिलें जो सरकारी कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं। सेवाकाल और सेवा समाप्ति के बाद सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान, आंगनबाड़ी कर्मियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो वे भविष्य में अपने आंदोलन को और तेज करेंगी।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देती आंगनबाड़ी कर्मी। ● अमृत विचार

● सीएम के नाम सौंपा 10 सूत्रीय मांग पत्र

देश से मोहब्बत भी दीन का हिस्सा : अशरफ मियां

संवाददाता, सैफनी

● सैफनी जलसे में 29 लोगों की हुई दस्तारबंदी

अमृत विचार : शेख भूरे शाह बाबा के आस्ताने पर गुरुवार को मदरसा नूरूल उलूम की ओर से शहर इमाम कारी अतीकुर्रहमान की सदारत में दस्तारबंदी का जलसा हुआ। इस अवसर कुरान हिफ्ज करने वाले कारी और मुफ्तियत का कोर्स पूरा करने वाले 29 लोगों की दस्तारबंदी की गई।

जलसे का आगाज तिलावत ए कुरआन करीम से किया, इसके बाद नात ए पाक पढ़ी गई। जलसे में मेहमान ए खुसूसी किशोछा शरीफ से आए सैयद अशरफ मियां ने कहा कि बच्चों को दुनियावी तालीम के साथ-साथ इब्तिदाई दीनी तालीम दिलाना जरूरी है। ताकि वे अल्लाह के कुरआन और अपने दीन को जान सकें। उन्होंने बताया कि कुरआन ए करीम कयामत तक महफूज रहेगा। उन्होंने देश से मोहब्बत करने को भी दीन का हिस्सा बताया। इस दौरान सैयद वाकिफ मियां ने भी दस्तारबंदी वाले बच्चों को मुबारकबाद दी और दीन की खिदमत करने को भी कहा। सदारत कर रहे शहर इमाम कारी अतीकुर्रहमान ने खिताब करते हुए कुरान करीम को जानने और उस पर अमल करने पर जोर दिया, उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 29 लोगों की दस्तारबंदी की गई। जिसमें हाफिज ए कुरान, मुफ्ती और कारी भी शामिल हैं। इस दौरान उत्तराखंड के काशीपुर से आए कासिमुल कादरी अशरफी नईमी व शायरे इस्लाम सैयद मोहम्मद उवैस मियां ने भी जलसे हुए किताब किया। इस दौरान भारी संख्या में लोग जलसे में मौजूद रहे।

किसानों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ता और पदाधिकारी गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में एकत्र हुए। यहां किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श के बाद किसानों ने नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने पहुंचे और प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंचे और किसानों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने किसानों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस पर किसानों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे किसानों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि इस बार भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई नहरों, माइनरों और गूलों पर अवैध कब्जे करा दिए गए हैं। अपर कोसी नहर व लोअर कोसी नहर के लिए रिमोल्डिंग करने के लिए सरकार द्वारा सिंचाई विभाग को 8 करोड रुपये दिए थे, जिससे किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पानी मिल सके, लेकिन विभाग द्वारा मानक अनुसार कार्य नहीं कराया। जिसके कारण नहरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके अलावा चीनी मिलों पर गन्ना बकाया देने की मांग की। इस मौके पर बलजीत सिंह, मलकीत सिंह, सरदार सतनाम सिंह, जिला महासचिव रईस अहमद, कुलविंदर सिंह, पलविंदर सिंह, जगतार सिंह, मोहम्मद अहमद, प्रधान साबिर, मोहम्मद यामीन, जमील अहमद, मुराद खान, आरिफ अय्यूब इकबाल लियाकत खान, साबिर अली सादिक अहमद, इमरान खान असलम अहमद, सोमपाल मोर्या तरसैम सिंह, हसीब वारसी, गेदल रहे।

बिलासपुर तहसील में ज्ञापन सौंपते भाकियू भानु के सदस्य। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मजदूरी से मना करने पर युवक को किया घायल

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बावनखेड़ी में बुधवार की शाम मजदूरी करने से इनकार करने पर युवक को पीटकर घायल कर दिया। कदीर के अनुसार उनका पुत्र जुबेर बुधवार की देर शाम अपनी खाला के यहां से खाना खाकर आ रहा था। रास्ते में कुछ युवकों से कहा सुनी हो गई। हमलावर उनके बेटे पर जबरन मजदूरी करने का दबाव बना रहे थे, जबकि जुबेर काम करने से मना कर रहा था। आरोपियों ने उसे घेर लिया और लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया। सिर पर किसी हथियार से हमला किया गया जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। चिकित्सकों ने मेरठ रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल का कहना है कि पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

108 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

गजरौला, अमृत विचार : गुरुवार की सुबह 108 एंबुलेंस मेंप्रसव के लिए सीएचसी ले जाई जा रही महिला का रास्ते में ही प्रसव हो गया। एंबुलेंस स्टाफ ने महिला व नवजात को सुरक्षित सीएचसी में भर्ती कराया। गांव बसैली निवासी राणा परवीन को गुरुवार को प्रसव पीड़ा हुई। 108 एंबुलेंस महिला को डिलीवरी के लिए सीएचसी ला रही थी। इसी दौरान गजरौला-तिगरी मार्ग पर महिला को प्रसव पीड़ा बढ़ गई। ईएमटी निर्देश कुमार ने अपने साथी लोकेश कुमार को रास्ते में सुरक्षित स्थान पर रोकने के लिए कहा जिसके बाद सुरक्षित प्रसव कराया। कार्यवाहक सीएमओ डॉ .योगेंद्र सिंह ने बताया कि जच्चा-बच्चा सुरक्षित हैं।

जंगल में मिला नीलगाय का कंकाल

हसनपुर, अमृत विचार : सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव झुंडी माफी के जंगल में गुरुवार सुबह एक नीलगाय का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि आवारा कुत्तों ने नीलगाय को नोच-नोच कर मार दिया। गांव डाके वाली निवासी रमेश सिंह अपने गन्ने के खेत में घूमने गए तो नीलगाय के कंकाल को पड़ा देखा। ग्रामीणों ने प्रशासन को जल्द से जल्द कुत्ते पकड़वाने की मांग की है।

बच्चे को बजरी भरे ट्रक ने कुचला गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा

लोगों ने लगाया जाम, विधायक और सीओ ने आकर कार्रवाई का दिया आश्वासन

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : बछरायूं में बजरी से भरे एक अनियंत्रित ओवरलोड ट्रक ने दो वर्षीय बच्चे को कुचल दिया। इस हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने जाम लगा दिया। विधायक ने लोगों को समझाया और कार्रवाई का आश्वासन दिया तब लोगों ने जाम खोला।

मृतक बच्चा दक्ष।

गुस्साए परिजनों व लोगों को समझाते विधायक व पुलिस अधिकारी। • अमृत विचार

बछरायूं के मोहल्ला बकाबाद के निवासी मोनू प्रजापति की पुराने सिंडिकेट बैंक चौराहे पर मिठाई और चाय की दुकान है। उनका दो वर्षीय इकलौता पुत्र दक्ष गुरुवार की सुबह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान बजरी से लदे ट्रक ने उसे कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। गुस्साए परिजनों और लोगों ने रोड जाम कर जाम कर दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव पोस्टमार्टम को ले जाने की बात की तो परिजनों ने मना कर दिया। परिजन समेत लोगय विधायक राजीव तरारा को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। कहा कि जब तक विधायक और उच्चाधिकारी मौके पर आकरबातत नहीं करते, तब तक शव को नहीं उठने दिया जाएगा। पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास करती रही। बाद में विधायक राजीव तरारा और सीओ अंजलि कटारिया मौके पर पहुंचे। परिजनों को समझाया। कार्रवाई का आश्वासन दिया। सीओ ने बताया कि मामले में ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके बाद लोगों ने जाम खोला। पुलिस ने बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दहेज को लेकर विवाहिता को घर से निकाला

अमरोहा, अमृत विचार : दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकालने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

• विवाहिता की तहरीर पर पति सहित पांच लोगों पर रिपोर्ट

रहरा थाना क्षेत्र के गांव दारानगर निवासी पूजा की शादी रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अंबेडकर नगर निवासी राजीव कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज को लेकर पूजा को ससुराल में प्रताड़ित किया जाने लगा। 22 जनवरी की रात को ससुराल के लोगों ने पूजा के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया।मायके वाले ससुराल में बात करने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी गाली गलौज और मारपीट की। पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। थाना प्रभारी कोमल तोमर ने बताया की तहरीर के आधार पर पति राजीव, सास, दो देवर व ससुर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

एसडीएम ने परिषदीय स्कूलों का किया निरीक्षण

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने विकासखंड क्षेत्र के गांव मल्लूपुरा, चूचेला और रामपुर तगा द्वितीय सहित कई परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण कर शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। बच्चों के लिए की जा रही मूलभूत सुविधाओं और शिक्षण गुणवत्ता को परखा।

निरीक्षण करतीं एसडीएम विभा श्रीवास्तव।

• 19 पैरामीटर पर परखी गई विद्यालयों की व्यवस्थाएं, निपुण लक्ष्य पर दिया जोर

गुरुवार को निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विद्यालयों में रजिस्टर, कक्षा-वार छात्र उपस्थिति पंजिका एवं निपुण लक्ष्य सूची का अवलोकन किया। उन्होंने सभी विद्यालयों को शत-प्रतिशत बच्चों को निपुण बनाने के निर्देश दिए। इंचार्ज अध्यापकों से अध्यापकों की उपस्थिति, पढ़ाए जा रहे विषयों एवं बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनाई जा रही शिक्षण गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षण कार्य को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। मिड-डे मील की गुणवत्ता, साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए अलग से विशेष कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि वे भी निपुण लक्ष्य हासिल कर सकें। कहा कि जो बच्चे लंबे समय से विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके अभिभावकों से संवाद कर बच्चों को नियमित रूप से स्कूल लाया जाए, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने विद्यालयों की 19 निर्धारित पैरामीटरों पर जांच करते हुए बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई का स्तर भी परखा। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूजीसी बिल पर रोक का किया स्वागत, मिठाई बांटी

यूजीसी पर रोक लगने पर खुशी जाहिर करते सवर्ण समाज के लोग। • अमृत विचार

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : यूजीसी पर रोक लगने पर सवर्ण समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। खुशी में आतिशबाजी छोड़ते हुए मिठाई बांटी।

बस्ती मार्ग पर सभासद पति देवेश शर्मा के मेडिकल स्टोर पर सवर्ण समाज के लोग जमा हुए व आतिशबाजी कर मिठाई भी बांटी। सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद दिया। इस दौरान वीर सिंह भगत, जगतपाल सिंह चौहान, महेंद्र सिंह चौहान, शैलेष कुमार गर्ग, मुकुल गर्ग, राहुल, शोभित बंसल, पीयूष त्यागी, मोहित शर्मा, आकाश बंसल, प्रियांशु शर्मा, सतपाल सिंह चौहान, मदनपाल सिंह चौहान, बृजेश शर्मा, सोनू शर्मा, मयूर सिंघल, नितिन सिंघल आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर पार्क चौराहा को बना लिया पार्किंग स्थल

हसनपुर, अमृत विचार : अंबेडकर चौराहा पूरी पार्किंग स्थल में बदल गया। चार पहिया वाहन एवं ई रिक्शा बेखौफ होकर पर के चारों तरफ खड़ी रहती हैं। जिसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और नगर वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लेकिन किसी भी जिम्मेदार का इस और कोई ध्यान नहीं जा रहा।

नगर का सबसे व्यस्त चौराहे में से एक अंबेडकर पार्क चौराहा है। चार पहिया वाहन एवं ई-रिक्शा चालकों के द्वारा अंबेडकर पार्क के चारों तरफ प्रशासन से बेखौफ होकर अपने वाहन खड़े किए जाते हैं जिसके कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती है। जाम लगने के कारण जहां नगर वासियों को पैदल निकलना भी दुश्वार हो जाता है। व्यापारी सुरक्षा फोरम के प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता ने बताया कि जल्द इस समस्या के समाधान हेतु अधिकारियों से मिला जाएगा।

हिंदू समाज की एकता राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति

संवाददाता, मंडी धनौरा

• आचार्य प्रमोद कृष्णम् बोले, जीवन जीने की पद्धति है सनातन

• युवा पीढ़ी में ही राष्ट्र का भविष्य निहित : सुनील कुमार

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना, सांस्कृतिक चेतना का जागरण और राष्ट्रहित के प्रति नागरिक दायित्वों का बोध कराना रहा।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम् ने हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि हिंदू समाज की एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। जब समाज संगठित होता है तभी राष्ट्र सुरक्षित और सशक्त बनता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम् ने कहा कि सनातन परंपरा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की एक पूर्ण और समग्र पद्धति है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि वह अपने मूल्यों, संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत को समझे और उन्हें अपने आचरण में उतारे। उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ विभाजन नहीं, बल्कि जोड़ना है। सामाजिक समरसता ही हिन्दू समाज की सच्ची पहचान रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों को अपनाना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। इन मूल्यों को जीवन में उतारकर ही एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते आचार्य प्रमोद कृष्णम। • अमृत विचार

प्रांत सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सुनील कुमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ ने बीते सौ वर्षों में सेवा, त्याग और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों के माध्यम से समाज को दिशा देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि संघ का विचार केवल संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रनिर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी में राष्ट्र का भविष्य निहित है। यदि युवा आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें और अपने संस्कारों को समझ लें, तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। सम्मेलन के दौरान वातावरण राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत दिखाई दिया।

इस अवसर पर विधायक राजीव तरारा, चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, लाला विश्वनाथ, राजकुमार पाल अनूप अग्रवाल, यतेंद्र कटारिया, डॉ. आदित्य चौहान, प्रशांक त्यागी, सौरभ सैनी, योगेन्द्र सिंह नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कैशलेस चिकित्सा को लेकर शिक्षकों में खुशी

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : कैबिनेट की बैठक में सरकार द्वारा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों, बेसिक व एडेड विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षामित्र व अंशकालिक शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा का सुविधा प्रदान किए जाने की स्वीकृति मिलने पर खुशी जताई। शिक्षक विधायक डॉक्टर हरि सिंह ढिल्लों के आवास पर पहुंचे शिक्षकों ने आभार प्रकट किया।

शिक्षक विधायक डॉ . हरि सिंह ढिल्लों को मिठाई खिलाते वित्तविहीन शिक्षक।

• वित्तविहीन शिक्षकों ने एमएलसी डॉ. ढिल्लों का जताया आभार

बुधवार को शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के आवास पर वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डॉक्टर हरि सिंह ढिल्लों ने बताया कि सरकार द्वारा शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा का सुविधा का प्रदान किए जाने के प्रस्ताव की स्वीकृति मिलना सराहनीय है। डॉ.ढिल्लों ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के शिक्षकों के सम्मान सुरक्षा व मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम दर्शाता है कि प्रदेश सरकार शिक्षक समुदाय के कल्याण और उनके सामाजिक आर्थिक हितों के प्रति पूर्णतया प्रतिबद्ध है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू होने से शिक्षकों एवं उनके परिवार जनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं बिना आर्थिक चिंता के उपलब्ध हो सकेंगे। इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसे शिक्षक समाज के लिए मील का पत्थर बताया। शिक्षकों ने मांग को मजबूती से उठाने के लिए शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वित्त विहीन विद्यालय प्रबंधक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश सिद्धू, रविराज सिंह, सतपाल सिंह, जीशान अली, कुलदेव चौहान, राकेश चौहान, धर्मवीर सिंह, हरकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

वाईएमएस कॉलेज में स्थापित होगा स्वचलित मौसम केंद्र

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : वाईएमएस पीजी कॉलेज धनौरा में अत्याधुनिक स्वचलित मौसम केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर महाविद्यालय और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ है। इस समझौते के बाद अमरोहा जिले में मौसम से संबंधित सटीक, विश्वसनीय और वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को नई दिशा मिलेगी।

समझौता ज्ञापन पर वाईएमएस पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ एके सिंह तथा भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के परियोजना वैज्ञानिक नितिग सिंह ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस मौसम केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं अनुसंधान का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उनका शैक्षणिक स्तर और कौशल दोनों सुदृढ़ होंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए के सिंह ने कहा कि यह समझौता महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वचलित मौसम केंद्र विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं के लिए एक सशक्त शोध एवं प्रशिक्षण मंच के रूप में कार्य करेगा।सभी ने इस पहल को क्षेत्र के शैक्षणिक और वैज्ञानिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक रियाज अहमद सैफी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

न्यूज डायरी

भाला फेंक में श्रुति और टीटू को मिला प्रथम स्थान

बुरावली, अमृत विचार : क्षेत्र के सुतावली मे संचालित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कटाई जोया में वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता समें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भाला फेंक बालिका वर्ग में श्रुति त्यागी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, फातिमा दूसरे स्थान पर रही। भाला फेंक बालक वर्ग में टीटू कुमार अव्वल रहे विनय कुमार दूसरे स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में टीटू ने खिताब जीता नितेश कुमार दूसरे स्थान पर रहे। ऊंची कूद बालक वर्ग में वीरेंद्र कुमार प्रथम नितेश कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। ऊंची कूद बालिका वर्ग में आफिया परवीन प्रथम सहेलिया द्वितीय स्थान पर रही। उपजिलाधिकारी चंद्रकांता ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रशांत कुमार, उमा सिद्दीकी, विभव कुमार एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानक के अनुरूप

सैदनगली, अमृत विचार : नगर पंचायत सैदनगी के वार्ड एक के मोहल्ला मेहंदीपुर में डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क, बरात घर और लाइब्रेरी के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की गई। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता ने सामग्री मानक के अनुरूप पाई गई। जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी गई है। मोहल्ला मेहंदीपुर निवासी आमेंद्र सिंह ने जिलाधिकारी से बरात घर और लाइब्रेरी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। सहायक अभियंता प्रकाश चंद्र ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य में लगे ईंट, सीमेंट और सरिया सहित अन्य सामग्री की जांच की, जो मानक के अनुरूप पाई गई। ईओ सलिल भारद्वाज ने बताया कि इससे पहले भी निर्माण कार्यों की जांच कराई गई थी जो मानक के अनुरूप थी। हाल ही में इस निर्माण कार्य में बाधा डालने के आरोप में सैदनगली थाने में दो नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था।

जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

गजरौला, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चो के पदाधिकारियों का प्रदूषण के खिलाफ क्षेत्र के गांव शाहबाजपुर डोर में गुरुवार को भी धरना-प्रदर्शन जारी रहा। ट्रैक्टर-ट्राली से नाईपुरा गांव की महिलाएं व किसान धरना स्थल पर पहुंचे। अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि प्रशासन और सरकार बड़ी घटना का इंतजार कर रही है। 40 दिन पहले मिट्टी और पानी के जो सैंपल जांच के लिए गए थे उनकी रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई। डीएम द्वारा एक कमेटी गठित की गई थी जिसको 15 दिन में रिपोर्ट सौंपनी थी। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी को गजरौला क्षेत्र के किसान प्रदूषण के खिलाफ पुतला जलाएंगे। मंडल अध्यक्ष एहसान अली ने कहा कि किसान जहरीला पानी पीकर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। नाजमा खान, नीतू रानी, संतोष देवी, राजमणि देवी, राजवंती गुड्डी, दयाबती प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, मंडल अध्यक्ष एहसान अली, ओम प्रकाश सिंह, दिलशाद सलमानी, होमपाल सिंह, समरपाल सैनी, अरशद अली, विजय सिंह, मोनू सिंह, फयुम सलमानी आदि किसान मौजूद रहे।

प्रदूषित पानी के विरोध में ग्रामीणों ने दी तहरीर

गजरौला, अमृत विचार : आनंदा फैक्ट्री के प्रदूषित पानी के विरोध में गुरुवार को ग्रामीणों ने पुलिस को तहरीर देकर समस्या का समाधान करने की मांग की। उन्होंने फैक्ट्री से निकलने वाले प्रदूषित पानी से किसानों की फसलें बर्बाद होने का आरोप लगाया। फैक्ट्री के खिलाफ नारेबाजी भी की। जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की चेतावनी दी। ग्रामीणों ने कहा कि गांव चौबारा मार्ग पर संचालित आनंदा फैक्ट्री का दूषित पानी फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। किसानों ने फैक्ट्री से पानी को रोकने की मांग कई बार की लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके विरोध में गुरुवार को गांव चौबारा निवासी नेहा चौहान ने ग्रामीणों के साथ मिलकर थाने पहुंचकर फैक्ट्री के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार किसान की मौत

संवाददाता, गजरौला

• ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल, हाईवे पर दुर्घटना

अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार किसान की मौत हो गई। जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

मृतक किसान पूरन सिंह।

क्षेत्र के गांव खुंगावली निवासी किसान पूरन सिंह गुरुवार की सुबह अपने ही गांव निवासी हरकेश के ई-रिक्शा में सवार होकर गढ़मुक्तेश्वर की सब्जी मंडी जा रहे थे। नेशनल हाईवे पर जीरो प्वाइंट के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। ई-रिक्शा सवार किसान पूरन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ई-रिक्शा चालक हरकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मृतक किसान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा कार को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समाज बांटने की साजिशों से सतर्क रहें

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : ब्लू बर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम का विद्यालय प्रबंधक राहुल अग्रवाल एवं निर्देशिका राखी अग्रवाल ने स्वागत किया।

आचार्य प्रमोद कृष्णम का स्वागत करते राहुल अग्रवाल व अन्य। • अमृत विचार

• आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले, धर्मगुरुओं को राजनीति में बांटना चिंताजनक

प्रेस वार्ता में आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यूजीसी के प्रावधानों को लेकर जो आशंकाएं समाज में उत्पन्न हुई हैं उनका निराकरण होना आवश्यक है। कहा कि कोई भी ऐसा कानून, विचार या व्यवस्था जो समाज में भेदभाव, असमानता अथवा विभाजन पैदा करे, वह न तो भारत के संविधान के अनुरूप है और न ही सनातन धर्म के सिद्धांतों के। कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि 21वीं सदी का भारत विश्व को एक नई दिशा देने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज भारत अंतरिक्ष विज्ञान में आगे बढ़ रहा है, मंगल ग्रह तक पहुंचने की बात कर रहा है, ऐसे समय में समाज में विकृतियां और विभाजन फैलाने वाले विचार देश के लिए उचित नहीं हैं। प्रयागराज में शंकराचार्य से जुड़े विवाद पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यदि धर्मगुरुओं को राजनीति में बांटकर अपमानित किया जाएगा, तो यह चिंताजनक है। राजनीतिक दलों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस सहित अन्य दलों के कुछ नेताओं से आज भी उनकी बातचीत होती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार हिंदुत्व और सनातन की एकता की बुनियाद पर खड़ी है। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

परेड में शामिल 32 बच्चे सम्मानित

संभल,अमृत विचार: उम्मीद संस्था के माध्यम से गणतंत्र दिवस परेड, लखनऊ में सहभागिता करने वाले संभल जिले के 32 बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इन बच्चों की यह उपलब्धि पूरे संभल के लिए गर्व का विषय है। कहा कि उम्मीद संस्था द्वारा बच्चों को मंच प्रदान कर उनमें आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना विकसित करना सराहनीय प्रयास है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों की नियमित प्रैक्टिस और तैयारी में योगदान देने वाले प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों और अन्य सहयोगी व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

शहबाजपुर कला में चांदी वर्क कारीगर के घर चोरी

संभल/ओबरी, अमृत विचार: शहबाजपुर कलां में चोरों ने चांदी वर्क कारीगर के घर से हजारों रुपए के सामान पर हाथ साफ कर दिया। शहबाजपुर कलां निवासी बाबू के घर बुधवार रात चोर दाखिल हुए और चांदी वर्क गड्डियां, बर्तन, कपड़े व अन्य सामान समेत हजारों का सामान समेट ले गए। पीड़ित ने पुलिस को घटना सूचना दे दी है।

कुत्तों ने 20 से अधिक लोगों को किया घायल

आवारा कुत्तों से दहशत, एक ही दिन में दो बच्चों सहित कई लोगों को काटा, घायलों ने लगवाए एआरबी

कार्यालय संवाददाता,संभल

हिलाली सराय में बच्चे पर हमला करता कुत्ता व सहमे लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: संभल शहर में आवारा कुत्ते लोगों की जान के दुश्मन बनते जा रहे हैं। गुरुवार को आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों सहित 20 से अधिक लोगों को घायल कर दिया। एक वीडियो में कुत्ते को चीते की तरह झपट्टा मारते हुए देखा जा सकता है।

आवारा कुत्तों के हमलों की सबसे ज्यादा और गंभीर घटनाएं हिलाली सराय इलाके से सामने आई हैं। जहां आवारा कुत्तों ने एक ही दिन में कदीर, 12 वर्षीय कैफ, गुफरान, हसन और अन्ना को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हिलाली सराय में कुत्तों के हमले के दो सीसीटीवी वीडियो वायरल हुए हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि एक कुत्ता सड़क से गुजर रहे व्यक्ति पर अचानक हमला करता है, पहले उसके पैर और टांग में जबड़ा गड़ा देता है और फिर उछलकर सीने पर मुंह से वार करता है। दूसरे वीडियो में 12 साल का कैफ कुत्ते के हमले के बाद जान बचाकर भागने की कोशिश करता नजर आ रहा है, लेकिन कुत्ते ने उसके हाथों को बुरी तरह जख्मी कर दिया। इसी तरह बाजार गंज और खांची इलाके में भी कुत्तों का आतंक देखने को मिला। यहां अनवर निवासी तिमरदास सराय, तहसीन निवासी कोटगर्वी, असरार निवासी बरेली सराय, मोहम्मद फैसल और 8 वर्षीय साबिर निवासी दीपा सराय को घायल कर दिया। सभी घायलों ने जिला संयुक्त चिकित्सालय संभल में रेबीज के इंजेक्शन लगवाए, जबकि कुछ लोगों ने निजी चिकित्सालयों में इलाज कराया।

● **15 दिन पहले कुत्तों ने एक बच्चे की जान ले ली थी**

हिलाली सराय में कुत्तों का झुंड।

कोटगर्वी निवासी तस्लीम ने बताया कि वह अपनी बहन के घर जा रहे थे, तभी कुत्ते ने हमला कर उनके माथे पर काट लिया। मजहर हुसैन ने बताया कि वह नमाज पढ़कर लौट रहे थे, तभी कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। मजहर का कहना है कि उसी स्थान पर कुत्तों ने कई अन्य लोगों को भी काटा है। वहीं मोहम्मद असरार ने बताया कि वह बाजार जा रहे थे, तभी अचानक कुत्ते ने हमला किया। कुत्ते को भगाने के लिए हाथ उठाया, उसने हाथ में काट लिया। आवारा कुत्तों के हमलों को लेकर शहर के लोग दहशतजदा हैं। 15 दिन पहले कुत्तों ने एक बच्चे की जान भी ले ली थी।

सपाइयों ने सौंपा ज्ञापन, सिटी मजिस्ट्रेट ने पालिका को दिये निर्देश

संभल, अमृत विचार: कुत्तों के हमले को लेकर सपा जिला सचिव सईद अख्तर इसराइली के नेतृत्व में कार्यकर्ता व हिलाली सराय के लोगों ने सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा कि हिलाली सराय के अलावा डूंगर सराय, पंजू सराय, नई सराय और नखासा जैसे कई मोहल्लों में भी कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आई हैं। आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़वाया जाए। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि पालिका के तत्काल कदम उठाने के लिए कहा गया है। अधिशासी अधिकारी ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में काम शुरू किया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिन जगहों पर कुत्तों के हमले की घटनाएं हुई हैं वहां कुत्तों को पकड़वाने के निर्देश दिये गये हैं।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते सपा कार्यकर्ता।

सड़क हादसे में एक की मौत, पांच घायल

बहजोई सीएचसी में घायलों के परिजन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

● **संभल-बदायूं बॉर्डर पर ट्रैक्टर-ट्राली ने ऑटो को मारी टक्कर**

अमृत विचार: जनपद की सीमा पर गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने ऑटो को टक्कर मार दी। दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित पांच लोग घायल हो गए।।

गुरुवार दोपहर इस्लामनगर से सवारियां लादकर आटो बहजोई की तरफ आ रहा था। दोपहर 12:30 बजे आटो बदायूं जनपद की सीमा पर गांव पीपली के पास पहुंचा तो तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ऑटो में सवार लोग बुरी तरह घायल हो गये। राहगीरों ने अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान ऑटो में सवार लाल (37) पुत्र निवासी सिद्धपुर की मढैया, थाना बिसौली, जनपद बदायूं की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा महिला हीराकली पत्नी रामौतार, निवासी गांव गदरौली बदायूं समेत पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि हीराकली को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी बहजोई संत कुमार ने बताया कि दुर्घटना जहां पर हुई वह जगह थाना इस्लामनगर बदायूं में आती है। आगे की कार्रवाई इस्लामनगर थाने द्वारा की जा रही है।

सर्राफा कारोबारियों ने जताया जान-माल का डर, ज्ञापन सौंपा

चंदौसी में कोतवाल को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, चंदौसी

अमृत विचार: सर्राफा एसोसिएशन ने गुरुवार को इंस्पेक्टर चंदौसी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें हाल के दिनों में सोने-चांदी के दामों में वृद्धि के कारण नई जालसाजी प्रकरणों के बढ़ने की चिंता जताई गई।

एसोसिएशन ने बताया कि कुछ ग्राहक, जिन्होंने पुराने आभूषण गिरवी रखे थे या बेच दिए थे, अब दावे करने लगे हैं और अपने रिश्तेदारों के साथ सर्राफा व्यापारियों को धमकियां दे रहे हैं। इससे शहर के सर्राफा कारोबारियों को जान-माल के नुकसान का डर बना हुआ है। ज्ञापन देने वालों में राजेश बिन्दल, पुनीत अग्रवाल, दीप गोयल, विक्की रस्तौगी, मोन्टू सर्राफ, विशाल अग्रवाल, विकास अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, सचिन अग्रवाल, नन्नद अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संदीप अग्रवाल शामिल थे।

नियमितीकरण की मांग, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालयों पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकत्रियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकारी कर्मचारी की तरह नियमितीकरण करने समेत दस सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया।

धरने को संबोधित करते हुए संगठन की जिलाध्यक्ष विनीता शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां बेहद कम मानदेय पर काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि महज छह हजार रुपये के मानदेय में आज के समय में परिवार चलाना बेहद कठिन है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। कार्यकत्रियों की स्थिति बंधुआ मजदूरों जैसी हो गई है, न तो काम का कोई तय समय है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू किए गए पोषण ट्रैकर पर शत-प्रतिशत काम का दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन मोबाइल रिचार्ज का खर्च कार्यकत्रियों को अपनी जेब से उठाना पड़ता है। विभाग द्वारा दिए गए मोबाइल फोन 2जी हैं, जबकि काम आधुनिक तकनीक पर आधारित है। समय पर कार्य पूरा न होने पर सेवा समाप्ति की धमकी दी जाती है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

एसडीएम कार्यालय में धरने को संबोधित करतीं जिलाध्यक्ष विनीता शर्मा। ● अमृत विचार

● **सरकारी कर्मचारी घोषित करने समेत 10 मांगें**

● **8 मार्च को लखनऊ कूच करने का किया ऐलान**

जिलाध्यक्ष ने मांग की कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी की जाए, सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाई जाए और रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यकत्रियों को किसी भी प्रकार का आर्थिक सहारा नहीं मिलता, जिससे उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यह धरना एकदिवसीय है और संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर पूरे प्रदेश में एक साथ आंदोलन किया जा रहा है। यदि मांगों पर शीघ्र कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो 8 मार्च को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां लखनऊ कूच कर बड़ा आंदोलन करेंगी। धरना-प्रदर्शन में सुधा, कौशल्या शर्मा, देववती, रेखा, अनीता, तनवीर, विमलेश, मंजूला सैनी, हुस्न आरा, शकुंतला, तारावती, पुष्पा शर्मा, कुसुमलता, भीमलता रानी सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने निकाला पैदल मार्च

चंदौसी, अमृत विचार: आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने बदायूं चुंगी से तहसील तक पैदल मार्च निकालकर ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। संगठन की जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमारी मौर्य ने कहा कि पिछले दस वर्षों से मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की गई है, जबकि महंगाई और अन्य खर्च बढ़ चुके हैं, जिससे कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। उन्होंने मांग की कि आंगनबाड़ी कर्मचारियों को समान वेतनमान और नियमितीकरण मिले। लोकेश कुमार, गीता, संतोषी कुमारी, सुधारानी शर्मा, जलधारा, जशोदा देवी, शांति देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

चंदौसी में प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

यूजीसी एक्ट को लेकर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता,संभल/ बहजोई

अमृत विचार: यूजीसी एक्ट के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। बहरहाल इस मामले को लेकर श्रीराजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में जोरदार नारेबाजी कर छात्रों के हितों के खिलाफ बनाए गए काले कानून को वापस लेने की मांग की। इस दौरान एक युवक खून से लिखा पत्र लेकर डीएम कार्यालय पहुंचा, जिसे देखकर प्रशासनिक अमले में भी हलचल मच गई।

गांव खेड़ा खास से पैदल मार्च करते हुए प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे। छात्र विकास तोमर ने अपने खून से लिखी तख्ती हाथ में लेकर मुख्यमंत्री के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी एक्ट काला कानून वापस लो जैसे नारे लगाए। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से मांग की गई कि सवर्ण समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए यूजीसी एक्ट को वापस लिया जाए या उसमें संशोधन कर राहत दी जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि यूजीसी एक्ट के नए नियम सवर्ण समाज के प्रति नकारात्मक सोच और पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राजनीति और जातिगत द्वेष को खत्म करते हुए ऐसा वातावरण बनाया जाना चाहिए, जहां छात्र और शिक्षक का मूल्यांकन केवल योग्यता, परिश्रम और नैतिकता के आधार पर हो। शिवा ठाकुर, अध्यक्ष विपुल ठाकुर, दुर्गेश सिंह दीपू, जितेंद्र सिंह परिहार, विकास सिंह, विपुल प्रताप सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहजोई कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करते संगठन से जुड़े लोग। ● अमृत विचार

● **श्री राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने दिया ज्ञापन**

समाज एकजुट होता तो न होता 1978 का दंगा

सौंधन,अमृत विचार: जीसुखराम यादव इंटर कॉलेज में हिंदू सम्मेलन में एकता, संगठन और राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका पर चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र नाथ महाराज ने कहा कि हिंदू समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। इतिहास गवाह है कि जब समाज एक रहता है तो वह शक्तिशाली बनता है। उन्होंने 1978 में संभल की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि समाज एकजुट होता है तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

मुख्य वक्ता प्रांत संगठन मंत्री सुनील ने कहा कि जब संघ की स्थापना हुई थी, तब देश पराधीन था और संघ का उद्देश्य देश को स्वतंत्र कराने के साथ-साथ हिंदू समाज को संगठित करना था। उन्होंने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संगठित समाज की शक्ति का प्रतीक है। संघ पंच परिवर्तन की बात कर रहा है, जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। अध्यक्षता मास्टर लोचन सिंह ने की। भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, युवराज सिंह, ओमवीर, उदयवीर, राजपाल, धर्मेंद्र, जुगुल किशोर यादव, कपिल, नीरज कुमार, चुनमुन राव, नेकपाल सहित अनेक गणमान्य लोग और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

● **हिंदू सम्मेलन में पुष्पेंद्र नाथ महाराज ने एकता पर दिया जोर**

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक पर जताई खुशी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी मनाते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगाने के बाद खुशी का माहौल देखने को मिला। बिसौली गेट पर सवर्ण समाज के लोगों नेए मिठाइयां बांटी। कहा कि नए नियम शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव को बढ़ावा देने वाले थे, जिससे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के हित प्रभावित हो रहे थे। व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि नए नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य के लिए घातक हो सकते थे। कोर्ट ने उनके हितों की रक्षा की। अभिनव शर्मा ने उम्मीद जताई कि भविष्य में सरकार कोई भी नियम बनाते समय सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखेगी। कार्यक्रम में शिवराम वत्स, सागर गुप्ता, आचार्य ऋतुपर्ण शर्मा, बृजेश शर्मा, राजीव मिश्रा, निशांत शर्मा, अभिनव शर्मा, शाह आलम मंसूरी, आदित्य कान्त, सागर गुप्ता, सुधीर मिश्रा, मनोज कुमार, विकास मिश्रा, विकास उपाध्याय, गोरख शंखधर, लवित वार्ष्णेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार: बबराला स्थित विद्युत खंड कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने बेमियादी धरना शुरु कर दिया है। गुरुवार को दूसरे दिन भी किसानों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। एसडीओ पर भ्रष्टाचार, अघोषित बिजली कटौती तथा बिजली बिलों में मनमानी जैसे आरोप लगाए।

● **बबराला विद्युत खंड कार्यालय पर भाकियू का धरना दूसरे दिन भी जारी**

पदाधिकारियों ने कहा कि गांव गुरेठा निवासी किसान किशन पाल के ट्रैक्टर की टक्कर से बिजली का खंभा टूट गया था। एसडीओ गुन्नौर द्वारा ट्रैक्टर को रजपुरा थाने में खड़ा करवा दिया गया तथा किसान से अवैध रूप से रुपये की मांग की गई। बिजली अधिकारियों ने दुर्व्यवहार किया। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली लगातार किसानों के विरुद्ध बनी हुई है।

किसान यूनियन नेताओं ने बताया कि 30 जनवरी को पंचायत में आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश यादव, मंडल महासचिव मुकेश यादव, जिला प्रवक्ता डॉ. पुरेंद्र सिंह यादव, केपी. यादव, मुख्तार सिंह, वीरेश यादव, राजू यादव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

धरना प्रदर्शन करते भाकियू कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

किसान नेताओं पर लगाए आरोप

एसडीओ ऋषि शुक्ला ने बताया कि ट्रैक्टर की टक्कर से मुख्य लाइन का विद्युत पोल टूट गया था, जिस कारण ट्रैक्टर को पुलिस के सुपुर्द किया गया है। किसान यूनियन के लोग धरना-प्रदर्शन के माध्यम से विभाग पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं तथा अधिकारियों के साथ अभद्रता की गई। अधिशासी अभियंता अजय शुक्ला ने बताया कि किसानों के साथ हुई बातचीत में समाधान हो गया था, इसके बावजूद धरना समाप्त नहीं किया गया है।

न्यूज डायरी

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण की किया बाल लीलाओं का किया वर्णन

संभल,अमृत विचार: मोहल्ला हल्लू सराय में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के अंतर्गत चल रही श्रीमद् भागवत कथा का चतुर्थ दिवस गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मर्यादाओं के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। चामुंडा मंदिर के सामने स्थित मैदान में प्रात:काल आचार्य प्रमोद पाठक ने महायज्ञ की विधिवत प्रक्रिया संपन्न कराई। संध्या काल में कथावाचक अतुल कृष्ण महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने नाम-स्मरण की महिमा, भक्ति मार्ग की सरलता तथा मानव जीवन में धर्म और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कथा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन में लीन नजर आए और पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण और हरि बोल के जयघोष से गूंज उठा।

यूजीसी नियमों पर रोक से वैश्य एकता मंच में खुशी

संभल,अमृत विचार: उच्चतम न्यायालय द्वारा यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगाए जाने के बाद संभल में वैश्य एकता मंच के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ गई। कहा कि कोर्ट के निर्णय से देश एक बड़ी जातिगत अस्थिरता से बच गया है। उन्होंने इसे छात्रों और समाज के हित में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला बताया। अजय कुमार गुप्ता सर्राफ, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, अवधेश वार्ष्णेय, अजय अग्रवाल प्लाईवुड, अजय गुप्ता भट्टे वाले, सचिन कुमार गुप्ता, आकाश अग्रवाल, अमित गुप्ता, सौरभ गुप्ता सहित वैश्य एकता मंच के कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी संघ ने पदाधिकारियों का किया स्वागत

चंदौसी, अमृत विचार: स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश ने पुन: अजय कुमार राजवर को जिलाध्यक्ष संभल, विशाल वाल्मीकि को जिला महामंत्री और अनिल राधे गुड्डू को जिला कोषाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर कैलाशचंद्र चटवाल ने 8 फरवरी 2026 को कासगंज प्रदेश कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की और सफाई सैनिकों से संघर्ष की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिवकुमार राही, विक्रम, विष्णु, मनोज भारती, पंकज, राकेश, तन्नू, अनुज, मनन राही एवं मातृ शक्ति भी मौजूद रहे।

किसी का हक मारा हो तो शबे बारात पर मांगें माफी: मुफ्ती नूरी

संभल,अमृत विचार: इस्लामिक धर्मगुरु मुफ्ती आलम रज़ा नूरी ने मुसलमानों को इबादत, तौबा और इंसानियत का पैग़ाम देते हुए कहा कि इस्लाम में तीन रातें बेहद अहम मानी गई हैं। पहली शबे मेराज, जिसमें अल्लाह ने रसूल-ए-पाक को नमाज का तोहफा अता किया। दूसरी शबे बारात, जो मगफिरत, गुनाहों से निजात और जन्नत की जमानत की रात है। तीसरी शबे कद्र, जो रमजानुल मुबारक के आख़िरी अशरे में आती है। मुफ्ती

आलम रजा नूरी ने बताया कि शबे बारात के दिन सुबह से ही पाकीजगी और इबादत का खास एहतिमाम करना चाहिए। उन्होंने असर और मगरिब के बीच सात या ग्यारह बेर के पत्तों से नहाने की फ़जीलत भी बयान की। कहा कि हदीस शरीफ़ में इसका जिक्र मिलता है और इससे इंसान पूरे साल जादू जैसी बीमारियों से महफ़ूज़ रहता है। उन्होंने कहा कि इस मुकद्दस रात में अपने मरहूम रिश्तेदारों और बुज़ुर्गों की क़ब्रों पर जाकर उनके लिए दुआ-ए-मग़फिरत करनी चाहिए। गरीबों, मिस्कीनों और जरूरतमंदों का खायाल रखा जाए और पड़ोसियों के हक अदा किए जाएं। यदि किसी का दिल दुखाया हो या किसी का हक मारा हो, तो दिल से माफ़ी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह रात दुआओं की क़ुबूलियत की रात है।

असम के मुख्यमंत्री के बयान की निंदा

संभल, अमृत विचार: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कथित बयान को लेकर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलुकुर्रहमान बर्क ने कहा कि इस तरह के बयान मुख्यमंत्री की मानसिकता को उजागर करते हैं और मुसलमानों के प्रति नफरत को दर्शाते हैं। बर्क ने आरोप लगाया कि असम में लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जो लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर और चिंताजनक विषय है। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों ने भी कड़ा रुख अपनाया है। कांग्रेस नेताओं द्वारा असम के मुख्यमंत्री को हिंदू जिन्ना कहे जाने पर ममलुकुर्रहमान ने कहा कि इस तरह की राजनीति देश को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुसलमान हिंदुस्तानी हैं और वे यहीं रहेंगे, यहीं वोट डालेंगे।

क्रॉस कंट्री में जमकर दौड़े युवा

चंदौसी, अमृत विचार: मॉडल पब्लिक एजुकेशन कॉलेज में गुरुवार को क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उद्घाटन प्रबंधक डॉ. अमोल कंचन, डॉ. अशोक यादव व प्राचार्य डॉ. राजकुमार गोयल ने किया। महिला वर्ग में मॉडल पब्लिक एजुकेशन कॉलेज की मधु पंवार प्रथम, रुचि रानी द्वितीय रहीं, जबकि तृतीय स्थान हिन्दू कॉलेज मुरादाबाद की कणिका पाल ने हासिल किया। पुरुष वर्ग में भी मॉडल पब्लिक के दीपक कुमार प्रथम, रजत पाल द्वितीय तथा बृजेश कुमार तृतीय। टीएसआई सुरेश, हेड कांस्टेबल सोनू अहलावत, पर्यवेक्षक डॉ. अमनदीप कौर, विशेषज्ञ डॉ. दीप श्रीवास्तव, प्रभारी ज्ञान सिंह ने रहे।

फैसले एक नजर में

गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन-ए-3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें-5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उप्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमानः चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उप्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएस के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 टूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि

बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवन: लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

> आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आमने सामने

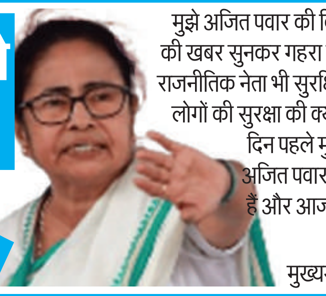

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–नरेश बंसल
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुरने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

> ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

खोज

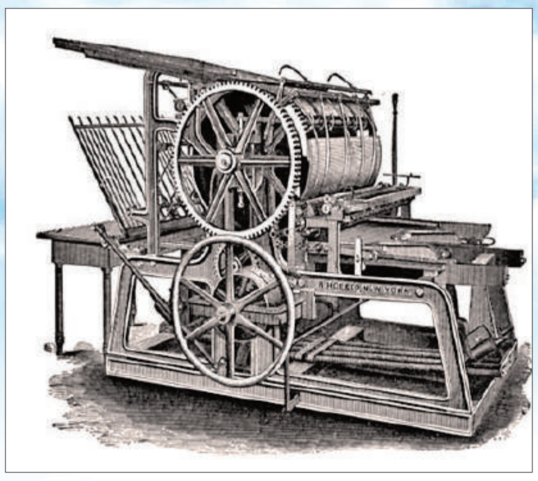

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

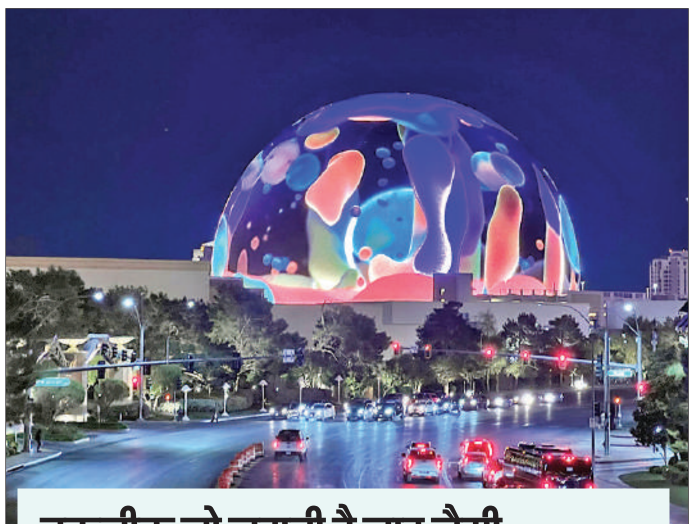

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है-चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

हैदराबाद। एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

आरबीआई ने 50,000 करोड़ की प्रतिभूति

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

एयरटेल 36 करोड़ ग्राहकों को देगा एडोब एक्सप्रेस की मुफ्त सेवा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इससे भारतीय दूरसंचार संचालक अपने डिजिटल परिवेश में यूजर जुड़ाव को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्रः आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन पर सुनाईं चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

एसआईआरः भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

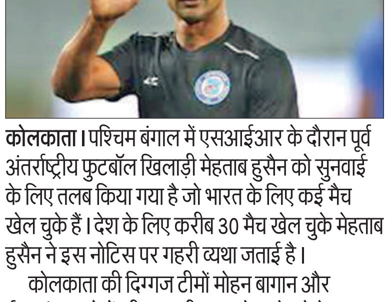

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

बोगोटा, एजेंसी

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा. माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटो हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर बढ़ते खतरों से निपटने और पिछले साल इज़राइल के साथ हुए 12-दिवसीय युद्ध से मिले सबक को देखते हुए विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

हातेमी ने कहा कि भविष्य के खतरों को देखते हुए सेना ने अपनी रणनीति को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है ताकि किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जा सके। इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में एक कैरियर-नेतृत्व वाले स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के बाद यह आपूर्ति की गई है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक बहुत बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में संधि नहीं

- डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने किसी भी समझौते से किया इनकार

पेरिस, एजेंसी

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नाटो और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है।

जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

आयुष्मान योजना: अंडमान सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश

श्री विजय पुरम। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। यह पुरस्कार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि मैं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस तरह का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है। इस केंद्र शासित प्रदेश में योजना के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

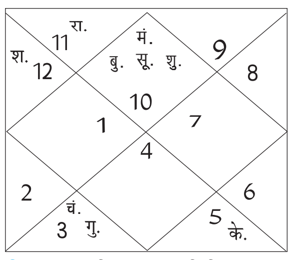

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष - आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष - आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन - आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क - आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह - आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या - आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला - आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु - आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर - आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ - आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन - आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
–शिवम दुबे

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

जश्न मनाती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ी।

आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

वडोदरा, एजेंसी

ग्रेस हैरिस (दो विकेट/ 75 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान स्मृति मंधाना (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 10वें ओवर में शिखा पांडे ने ग्रेस हैरिस को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्रेस हैरिस ने 37 गेंदों में 13 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की तूफानी पारी खेली। जीत के करीब 13वें ओवर में जॉर्जिया वॉल (16) के रूप में आरसीबी का दूसरा विकेट गिरा। आरसीबी ने 13.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 54 रनों की पारी खेली। इससे पहले आज यहां दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

नडीन डी क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके राष्ट्रवार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्टिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी जबरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक जबरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

> 2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
> –एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19.5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की। सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये। बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों के द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे है जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंग डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संभावित टीम

गोलकीपर : पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार

भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा- परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ़ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैंने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैंने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और एफआईएच तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।